page 1 and 8 oct 5_page 1 Mar 25 final ds.qxd 05-10-2025 01:34 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 नाट्य रंगमंच पर 'छूना है आसमान' की दमदार प्रस्तुति

5 रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

8 चारे वाली जई फसल की उन्नत खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 20 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-245 | जम्मू तवी, रविवार 05 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत ज्ञान, कौशल का देश है, बौद्धिक क्षमता हमारी सबसे बड़ी शक्ति : मोदी

नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को ज्ञान और कौशल का देश बताते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीयों की बौद्धिक क्षमता देश की सबसे बड़ी शक्ति है।

श्री मोदी ने यहां कौशल दीक्षांत समारोह में युवाओं के लिए 62,000 करोड़ रुपये की पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें पीएम सेतु योजना और नवोदय तथा एकलव्य मॉडल विद्यालयों में कौशल प्रयोगशाला योजना शामिल है। कौशल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से लाखों विद्यार्थी और कौशल प्रशिक्षु जुड़े। कार्यक्रम बिहार केन्द्रित था।

प्रधानमंत्री ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी की उपस्थिति में देश भर में आईटीआई (इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) की विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, राजीव रंजन सिंह, सुकांत मजूमदार और अन्य गणमान्य व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े थे।

मोदी सरकार ने कौशल विकास की अपनी

महत्वाकांक्षी योजना को लागू करने के साथ आईटीआई छात्रों के लिए बड़े पैमाने पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की शुरुआत की है। श्री मोदी ने आज के दिन को एक यादगार बताया और कहा कि यह समारोह भारत द्वारा कौशल विकास को दी जाने वाली प्राथमिकता का प्रतीक है।

श्री मोदी ने कहा कि आज घोषित 60,000 करोड़ रुपये की पीएम सेतु योजना के तहत, आईटीआई अब उद्योगों के साथ और अधिक मजबूती से एकीकृत होंगे। नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1,200 कौशल प्रयोगशालाओं के शुरू होने से युवा भविष्य के कार्यों के लिए तैयार होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, जैसे-जैसे कौशल बढ़ता है, राष्ट्र आत्मनिर्भर बनता है, निर्यात बढ़ता है और रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले, भारत को 'नाजुक पांच' अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, जहां विकास दर कम थी और रोज़गार सृजन सीमित था। आज, भारत विनिर्माण और रोज़गार में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ शीर्ष तीन वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की ओर अग्रसर है।

श्री मोदी ने मोबाइल फ़ोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण और निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस उछाल से बड़े उद्योगों और एमएसएमई में उल्लेखनीय रोज़गार सृजन हुआ है, जिससे आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं सहित सभी को काफ़ी लाभ हुआ है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मुद्रा योजना ने करोड़ों युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने एक लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोज़गार योजना के कार्यान्वयन की घोषणा की, जिससे लगभग 3.5 करोड़ युवाओं को निजी क्षेत्र में रोज़गार प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने असुरक्षित फ्रोजन और ठंडे मांस की बिक्री और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया

जम्मू, 04 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर सरकार ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (FSS), 2006 के तहत वैधानिक खाद्य सुरक्षा और लेबलिंग मानकों का पालन नहीं करने वाले फ्रोजन और ठंडे मांस उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर तत्काल और व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है।

यह आदेश जम्मू-कश्मीर की खाद्य सुरक्षा आयुक्त और खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त, स्मिता सेठी द्वारा औषधि एवं खाद्य नियंत्रण संगठन की खाद्य सुरक्षा शाखा द्वारा किए गए व्यापक निरीक्षणों के बाद जारी किया गया। इन जाँचों के दौरान, अधिकारियों को केंद्र शासित प्रदेश में कई स्थानों पर बड़ी मात्रा में सड़े, सड़ चुके और बिना लेबल वाले मांस उत्पाद मिले। सभी असुरक्षित स्टॉक को तुरंत जब्त कर लिया गया और कानून के अनुसार नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गई खेपों पर बैच या लॉट नंबर, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि, भंडारण की शर्तें, FSSAI लाइसेंस नंबर और निर्माता का विवरण जैसे महत्वपूर्ण लेबलिंग विवरण गायब थे। खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेबलिंग एवं प्रदर्शन) विनियम, 2020 के अंतर्गत ये विवरण अनिवार्य हैं। कई मामलों में, उपलब्ध लेबल या तो अधूरे थे या पढ़ने में कठिन थे, जिससे उत्पाद न केवल असुरक्षित थे, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भ्रामक भी थे। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि FSSA, 2006 की धारा 3(1)(55) के अंतर्गत, ऐसे खाद्य पदार्थ असुरक्षित खाद्य की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं। परिणामस्वरूप, इन पर अधिनियम के अध्याय IX के अंतर्गत निर्धारित दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे, जिसमें धारा 59 भी शामिल है, जो असुरक्षित खाद्य पदार्थों के लिए दंड से संबंधित है।

निषेधात्मक आदेश में जमे हुए और ठंडे मांस उत्पादों के संचालन, परिवहन और भंडारण के लिए निर्धारित न्यूनतम वैधानिक मानकों को भी दोहराया गया है। इन मानकों में शामिल हैं- जमे हुए मांस को -18°C या उससे कम तापमान पर संग्रहित और परिवहन किया जाना चाहिए। शीतित मांस को अल्पकालिक संचालन के लिए 0-4°C पर बनाए रखा जाना चाहिए। जमे हुए मांस पर जमा करने की तिथि स्पष्ट रूप से अंकित होनी चाहिए और उस तिथि से 12 महीने के बाद इसे बेचा नहीं जा सकता। ई-कॉमर्स डिलीवरी के लिए, डिलीवरी के समय कुल शेल्फ लाइफ का कम से कम 30त्न या समाप्ति से कम से कम 45 दिन पहले (जो भी पहले हो) बचा होना भंडारण और परिवहन सुविधाओं में कैलिब्रेटेड तापमान निगरानी उपकरण लगे होने चाहिए और उचित रिकॉर्ड बनाए रखने होंगे। प्रत्येक मांस उत्पाद के लेबल पर पशु प्रजाति (जैसे बकरी का मांस, मुर्गी, भैंस का मांस, आदि) का स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए। आदेश में FSSA, 2006 की धारा 18(1)(f) का भी उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार यदि यह संदेह करने के उचित आधार हैं कि कोई खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है, तो खाद्य प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा आयुक्त निवारक उपाय अपनाने और साथ ही जनता को जोखिम की प्रकृति और उससे निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में सूचित करने के लिए बाध्य हैं। आयुक्त स्मिता सेठी ने रेखांकित किया कि वर्तमान कार्रवाई FSS, 2006 की धारा 30 के तहत की गई है, जो खाद्य सुरक्षा आयुक्त को जन स्वास्थ्य के हित में किसी भी खाद्य पदार्थ के निर्माण, भंडारण या बिक्री पर एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंध लगाने का अधिकार देती है। आदेश में कहा गया है, निरीक्षण के निष्कर्षों और संभावित स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए, पूरे केंद्र शासित प्रदेश में ऐसी स्थिति है जिसके लिए जन स्वास्थ्य के हित में तत्काल निवारक कार्रवाई आवश्यक है।

सांबा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, तलाशी अभियान शुरू

सांबा, 04 अक्टूबर । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांव के ऊपर एक पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि ड्रोन जैसी दिखने वाली यह वस्तु शुक्रवार देर रात पाकिस्तान की ओर से आती हुई देखी गई और रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव के ऊपर मंडराती रही। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा बलों और पुलिस की टीमों को तुरंत इलाके की तलाशी लेने और यह सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थ या हथियार को हवाई मार्ग से न गिराया गया हो। एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग यातायात के लिए खुला

जम्मू, 4 अक्टूबर । जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार को यातायात के लिए खुला है। हालांकि छोटे व बड़े वाहनों को केवल एकतरफा ही खोला गया है। जानकारी के अनुसार आज छोटे वाहनों को केवल श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जा रहा है। छोटे वाहनों को सुबह 7:00 से 10:00 बजे तक जाने की इजाजत दी गई है जबकि बड़े वाहनों को जम्मू से श्रीनगर की ओर छोटे वाहनों के बाद रवाना किया जाएगा। यह निर्णय एहतियात के तौर पर लिया गया है क्योंकि मार्ग अभी भी कुछ हिस्सों से क्षतिग्रस्त है। राजमार्ग को पूरी तरह से बहाल करने में अभी कुछ दिनों का समय लग सकता है। इसी बीच एसएसजी रोड तथा मुगल रोड वाहनों की आवाजाही के लिए खुले हैं। मुगल रोड पर छोटे वाहनों को मार्ग के दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है जबकि भारी वाहनों को आज शोपियां से पुंछ की ओर रवाना किया जा रहा है।

चिट्टे के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 04 अक्टूबर। कठुआ पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की निगरानी में अलग-अलग घटनाओं में 13.01 ग्राम चिट्टा के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पहली घटना 3 अक्टूबर को हुई जिसमें पुलिस चौकी मढ़हीन के प्रभारी पीएसआई गुलशन प्रताप सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने अपने क्षेत्राधिकार में नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से लगभग 6.47 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान बनया पुत्र गुलाम नबी निवासी संजवान तहसील मढ़हीन जिला कठुआ के रूप में हुई है। राजबाग पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत एफआईआर संख्या 180/2025 दर्ज की गई।

खराब मौसम के मद्देनजर 5 अक्टूबर से तीन दिनों के लिए मचैल माता यात्रा स्थगित

जम्मू, 04 अक्टूबर । मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की खराब मौसम संबंधी सलाह के बाद 5 अक्टूबर से तीन दिनों के लिए मचैल माता तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई है। विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भी एहतियात के तौर पर इसी अवधि के दौरान तीर्थयात्रा स्थगित करने की घोषणा की थी।

14 अगस्त को मचैल माता मंदिर के प्रवेश द्वार गांव चशोती में बादल फटने से 65 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें अधिकतर तीर्थयात्री थे और 100 से ज्यादा घायल हो गए। 32 अन्य का अभी तक पता नहीं चल पाया है। एक अन्य घटना में 26 अगस्त को वैष्णो देवी मार्ग पर हुए भूस्खलन में 34 तीर्थयात्रियों की जान चली गई और 20 अन्य घायल हो गए।

किश्तवाड़ के ज़िला मजिस्ट्रेट पंकज कुमार शर्मा ने एक आदेश में कहा कि आईएमडी द्वारा जारी खराब मौसम संबंधी सलाह के मद्देनज़र एहतियात के तौर पर मचैल माता मंदिर की ओर तीर्थयात्रियों की आवाजाही 5 से 7 अक्टूबर तक स्थगित रहेगी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में भारी वर्षा और संभावित भूस्खलन सहित प्रतिकूल मौसम की स्थिति के पूर्वानुमान को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

शर्मा ने सभी हितधारकों और तीर्थयात्रियों से सहयोग का अनुरोध करते हुए कहा कि उक्त (स्थगन) अवधि के दौरान किसी भी तीर्थयात्री को मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इस बीच अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और डोडा जिले में बाढ़ और भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों से बचने का आग्रह करते हुए सलाह जारी की है। आईएमडी ने 4 से 7 अक्टूबर तक बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

आतंकवादी सज्जाद के पिता की 2 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 4 अक्टूबर । आतंकी नेटवर्क और उनके सहयोगियों को खत्म करने के लिए श्रीनगर पुलिस लगातार काम कर रही है। अब श्रीनगर पुलिस ने एचएमटी के रोज़ एवेन्यू में 15 मरला ज़मीन पर बने एक तीन मंजिला रिहायशी घर को कुर्क किया है। अधिकारियों के अनुसार यह घर आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल के पिता का है।

शनिवार को बयान जारी कर पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि राजस्व रिकॉर्ड और तहसीलदार सेंट्रल शाल्टेंग, श्रीनगर के सत्यापन के अनुसार लगभग 2 करोड़ मूल्य की संपत्ति आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल के पिता गुलाम मोहम्मद शेख पुत्र ख्वाजा अनवर शेख के नाम पर दर्ज है। उन्होंने बताया कि पुलिस स्टेशन परिमपोरा में दर्ज एक एफआईआर के संबंध में एचएमटी के रोज़ एवेन्यू में 15 मरला ज़मीन पर बने गुलाम मोहम्मद शेख के तीन मंजिला रिहायशी घर को कुर्क किया गया है।

पुलिस ने बताया कि यह कार्यवाही गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा

25 के तहत शुरू की गई थी, जो अधिकारियों को आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की गई या इस्तेमाल की जाने वाली संपत्तियों को कुर्क करने का अधिकार देती है। यह कार्रवाई संबंधित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई।

प्रवक्ता ने बताया कि संपत्ति आतंकवादी के पिता के नाम पर पंजीकृत है लेकिन जाँच से पता चला है कि सज्जाद गुल एक सक्रिय हितधारक है। वह आतंकवाद को बढ़ावा देने, राष्ट्र-विरोधी प्रचार करने और विभिन्न ऑनलाइन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार के खिलाफ असंतोष भड़काने में शामिल रहा है।

भाजपा राज्यसभा चुनाव में सभी सीटों पर तीन उम्मीदवार उतारेगी

जम्मू, 4 अक्टूबर। भाजपा ने शनिवार को आगामी 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनावों में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। भाजपा प्रवक्ता सुनील सेठी ने जम्मू में कहा कि पार्टी तीन उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

सुनील सेठी ने बताया कि पहले दो सीटों के लिए पार्टी एक-एक उम्मीदवार उतारेगी जबकि शेष दो सीटों में केवल एक चुनाव होगा और वहां पार्टी एक मजबूत उम्मीदवार उतारेगी जिसकी जीत की संभावना अधिक है। पहले दो सीटों पर उम्मीदवार उतारना प्रतीकात्मक मुकाबले के लिए है क्योंकि नेकां के नेतृत्व वाले गठबंधन को ये सीटें आसानी से मिल जाएंगी।

जम्मू में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सेठी ने कहा कि बैठक का मुख्य फोकस उन गुणों वाले व्यक्तियों पर था जो राज्यसभा में पार्टी का प्रभावी प्रतिनिधित्व कर सकें, न कि किसी विशेष व्यक्ति पर। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक के विचार पार्टी हाई-कमांड तक भेजे जाएंगे।

रविंदर रैना, पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और सुनील सेठी राज्यसभा टिकट के लिए संभावित उम्मीदवार माने जा रहे हैं। वर्तमान में विधानसभा में एनसी गठबंधन के 53 सदस्य हैं, भाजपा के 28 और गैर-भाजपा विपक्षी गठबंधन के सात सदस्य हैं।

जेके बोस ने 10वीं कक्षा के लिए डेट-शीट घोषित की, परीक्षाएँ 3 नवंबर से प्रारंभ होंगी

श्रीनगर, 04 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा वार्षिक/नियमित 2025 (अक्टूबर-नवम्बर सत्र) की डेटशीट जारी की है, जिसके अनुसार परीक्षाएँ 3 नवम्बर से सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाएँगी। कुल मिलाकर, कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्रों सहित लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के लगभग 95,000 विद्यार्थी परीक्षा देंगे, जिसे सरकार ने पुनः अक्टूबर-नवम्बर सत्र में बहाल किया है।डेटशीट के अनुसार, परीक्षाएँ 3 नवम्बर को गणित विषय से आरंभ होंगी, इसके बाद 7 नवम्बर को सामाजिक विज्ञान का पेपर होगा। विज्ञान विषय की परीक्षा 11 नवम्बर को निर्धारित है जबकि अंग्रेजी का पेपर 14 नवम्बर को लिया जाएगा। उर्दू/हिंदी विषय की परीक्षा 17 नवम्बर को होगी, कंप्यूटर विज्ञान की परीक्षा 19 नवम्बर को और व्यावसायिक

सिलेबस में 15 प्रतिशत की छूट दी गई

लगभग 95,000 छात्र अक्टूबर-नवंबर सत्र में परीक्षा देंगे

विषयों की परीक्षा 21 नवम्बर को आयोजित की जाएगी। कम उम्मीदवारों वाले विषय जैसे गृह विज्ञान 23 नवम्बर को, संगीत 25 नवम्बर को और अतिरिक्त/वैकल्पिक विषय जैसे कश्मीरी/डोगरी/भोटी/पंजाबी/अरबी/उर्दू /हिंदी/फारसी/संस्कृत 24 नवम्बर को होंगे। परीक्षा का समापन 27 नवम्बर को पेंटिंग/कला एवं चित्रकला विषय के पेपर से होगा। गर्मी की लहर, तेज वर्षा/बादल फटने और बाढ़ के कारण शैक्षणिक कैलेंडर में आई बाधाओं को देखते हुए, जेकेबोस ने 15 प्रतिशत सिलेबस में छूट दी है, जिससे 85 प्रतिशत अंकों के प्रयास को 100 प्रतिशत के बराबर माना जाएगा। जेकेबोस ने विद्यार्थियों से गंभीरता से परीक्षा की तैयारी करने का आग्रह किया है और परीक्षाओं के पारदर्शी संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बोर्ड ने निगरानी कर्मचारियों से अपनी जिम्मेदारियाँ पेशेवर ढंग से निभाने का आग्रह किया है ताकि परीक्षाओं की पवित्रता और अखंडता बनी रहे तथा विद्यालय शिक्षा विभाग से परीक्षा के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर, 04 अक्टूबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला (87) को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया क्योंकि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। नेताओं ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री को इस सप्ताह की शुरुआत में पेट में संक्रमण हो गया था और उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया था। पार्टी के एक नेता ने कहा, वह (अब्दुल्ला) पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थे, लेकिन अब उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उन्हें आज या कल छुट्टी मिलने की संभावना है।

जावेद राणा ने मेंढरी नाले तक 3.4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली संपर्क सड़कों का शिलान्यास किया

मेंढर 04 अक्टूबर। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने मेंढरी नाला पर डाउनस्ट्रीम पुल तक पहुँच सड़कों के निर्माण की आधारशिला रखी। 339.20 लाख रुपये की लागत से स्वी.त यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना सड़कों एवं भवन विभाग द्वारा क्रियान्वित की जाएगी। आधारशिला समारोह के दौरान, राणा ने आरएंडबी विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिया कि परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने उच्च गुणवत्ता मानकों और तकनीकी विनिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि टिकाऊ सड़क अवसंरचना लंबे समय तक जनसुविधा और क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यक है। जावेद राणा ने उमर अब्दुल्ला सरकार की इस प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया कि दूरस्थ और कम सेवा प्राप्त क्षेत्रों में सड़क संपर्क को बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर अवसंरचना ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक वृद्धि और पहुंच का प्रमुख साधन है। समारोह के बाद, मंत्री ने मेंढर

विधानसभा क्षेत्र में समग्र विकासात्मक परि.श्य की समीक्षा के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में बागवानी और .षि की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए किसानों और आम जनता में विभिन्न सरकारी योजनाओं और कल्याणकारी पहलों के प्रति अधिक जागरूकता फैलाने पर बल दिया। संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि गाँव स्तर पर जागरूकता शिविर, कार्यशालाएँ और क्षेत्रीय प्रदर्शन आयोजित किए जाएँ ताकि जानकारी जमीनी स्तर तक पहुँचे और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।

कफ सिरप से मौतें- केंद्रीय औषधि नियामक ने 6 राज्यों में विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित तौर पर दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौतों के मद्देनजर कफ सिरप, ज्वरनाशक और एंटीबायोटिक दवाओं सहित 19 नमूने एकत्र करने के बाद छह राज्यों में दवा विनिर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि ये विनिर्माण इकाइयाँ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हैं, जहाँ विभिन्न दवाओं के 19 नमूने निर्मित किए गए थे। मंत्रालय ने कहा कि सीडीएससीओ द्वारा निरीक्षण शुक्रवार को शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य उन कमियों की पहचान करना है जिनके कारण दवा की गुणवत्ता में कमी आई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए प्रक्रिया में सुधार का सुझाव देना है। कफ सिरप से मौतें- केंद्रीय औषधि नियामक ने 6 राज्यों में विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया ये विनिर्माण इकाइयाँ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हैं जहाँ विभिन्न दवाओं के 19 नमूने निर्मित किए गए थे। केंद्रीय औषधि नियामक, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौतों के मद्देनजर कफ सिरप, ज्वरनाशक और एंटीबायोटिक दवाओं सहित 19 नमूने एकत्र करने के बाद छह राज्यों में दवा विनिर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किया है।

शांतमनु ने जम्मू में मेगा विज्ञान कार्यक्रम का उदघाटन किया

जम्मू, 04 अक्टूबर। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमणु ने कृषि भवन, तालाब तिल्लो में आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024-25 और संभागीय स्तर की राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी 2025 का उद्घाटन किया। इन दोनों कार्यक्रमों को एक साथ मेगा विज्ञान आयोजन के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम की मेजबानी राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद जम्मू-कश्मीर, संभागीय कार्यालय जम्मू द्वारा की गई, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित इन विज्ञान पहलों के संभागीय समापन को चिह्नित किया। कार्यक्रम में डीएसईजे के

संयुक्त निदेशक, एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक (केंद्रीय), एनसीईआरटी नई दिल्ली से विशेषज्ञ प्रो. राम अवतार मीणा और प्रो. टी. पी. शर्मा (राष्ट्रीय आरएसबीवीपी समन्वयक), विद्यार्थी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जम्मू संभाग के दस जिलों से 70 युवा नवाचारकर्ताओं, 20 संगोष्ठी विजेताओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में एसीएस शांतमणु ने विद्यार्थियों को जिज्ञासा अपनाने, वैज्ञानिक नींव को मजबूत करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इन 13 तरीकों से त्वचा होगी साफ और बेदाग

आप अपनी त्वचा को खूबसूरत बनाए रखने के लिए कई तरह के जतन करते हैं, लेकिन ये ब्लैकहेड्स ...जब तक त्वचा पर उभर आते हैं और सारी कोशिशों पर पानी फेर देते हैं। लेकिन ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं.. अजी ब्लैकहेड्स ही तो हैं। यह लीजिए हम बता देते हैं, आपको इस मुसीबत से निजात पाने के ढेरों उपाय। अब तो खुश ... चलिए जान लेते हैं ब्लैकहेड्स हटाने और त्वचा को साफ व बेदाग बनाने के के यह 13 उपाय -

1 कॉर्नस्टार्च -

कॉर्नस्टार्च यानि मक्के का आटा और विनेगर को तीन अनुपात एक मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाले हिस्से पर लगाकर कम से कम 15 मिनट तक रखें। इसे आप आधा घंटा भी लगाकर रख सकते हैं। अब आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। इससे आपकी समस्या दूर हो सकती है।

2 दही -

दही सेहत के साथ सौंदर्य का भी खजाना है। किसी कटोरी में तीन चम्मच दही लेकर उसमें लगभग दो चम्मच ओटमील या जौ का आटा मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक चम्मच जैतून का तेल और इतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे या ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर, पांच से सात मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर देखिए असर।

3 बादाम -

बादाम के पाउडर को जौ के आटे में मिलाकर गुलाबजल के साथ मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर उंगलियों के पोरों से लगाएं। लगभग 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस प्रयोग से ब्लैकहेड्स की समस्या खत्म होती है।

4 चावल -

जी हां, चावल भी आपके चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाने में मदद करता है। इसके लिए चावल को दूध में लगभग 5 घंटे तक भि?गोकर, इसे मिक्सर में पीसकर स्क्रब बना लें। अब इसे सामान्य स्क्रब की तरह ही प्रयोग करें। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या समाप्त होगी।

5 टूथपेस्ट -

ब्लैकहेड्स प्रभावित स्थान पर टूथपेस्ट की एक पतली सी परत लगाएं और लगभग 20 से 25 मिनट तक इसे रहने दें। इसके बाद जब आप इस परत को हटाएंगे, तो त्वचा पर ब्लैकहेड्स या सफेद दानें आपको नजर नहीं आएंगे। इस प्रयोग को दो हफ्ते तक एक दिन छोड़कर करें। ऐसा करने से यह समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

6 नींबू -

नींबू में प्राकृतिक अम्ल होता है, जो त्वचा की गंदगी साफ करने में मदद करता है। इसके लिए एक नींबू का रस निकालकर उसमें एक चुटकी नमक मिलाएं और इस मिश्रण को ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर लगभग 20 मिनट तक रखें। इसके बाद इसे हल्के गर्म पानी से अच्छी तरह से धो लें। यह नुस्खा काफी कारगर है।

7 आलू -

आलू भी इस मामले में बड़े काम की चीज साबित होगा। कच्चे का आलू का टुकड़ा ब्लैकहेड प्रभावित स्थान पर अच्छी तरीके से रगड़ें। अब इसके रस को कुछ समय तक त्वचा पर रहने दें और 15 मिनट के बाद धो लें।

8 धनिया पत्ती -

हरा धनिया स्वाद बढ़ाने में जितना कारगर है, उतना ही सुंदरता के लिए भी। इसकी पत्तियों को चुटकी भर हल्की के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। इस इस पेस्ट को ब्लैकहेड वाले स्थान पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद धो लें। ब्लैकहेड तो कम होंगे ही, त्वचा में जान आ जाएगी।

9 ओटमील -

ओटमील को ग्राइंडर में पीसकर गुलाबजल डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और ठंडे पानी से धो लें। इससे भी त्वचा की गंदगी साफ हो जाएगी।

10 बेकिंग सोडा -

बेकिंग सोडा में जरा सा पानी डालकर पेस्ट बनाएं और इसे स्क्रब की तरह त्वचा पर लगाएं। इससे त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य गंदगी समाप्त हो जाएगी। इसे 15 मिनट प्रयोग करने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

11 मेथी की पत्तियां -

मेथी की पत्ति?यों को पीसकर चेहरे पर लगाने से भी त्वचा की अंदरूनी सफाई हो जाती है, और झाइयां, दाग आदि नहीं रहते। इसका प्रयोग प्रतिदिन रात के वक्त किया जा सकता है।

12 शहद -

ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए आप शहद का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए शहद की एक परत त्वचा पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद इसे धो लें। इससे भी त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

13 टमाटर -

यह आपकी त्वचा को साफ करने के लिए बेहद कारगर चीज है। टमाटर को मैश करके इसका छिलका उतार दें और इसे प्रभावित स्थान पर कुछ घंटों के लिए लगाकर रखें और छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से इसे धो लें। ऐसा करने से भी ब्लैकहेड और सफेद दानों की समस्या हल हो जाएगी।

खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5

हम खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। कभी कपड़ों के जरिए, तो कभी मेकअप और तरह तरह के स्टाईल अपनाकर हम खूबसूरत दिखने में सफल तो हो जाते हैं, लेकिन यह खूबसूरती कुछ ही समय तक रहती है। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी बातें, जो बनाती है, आपको अंदर से खूबसूरत -

आत्मविश्वास – खूबसूरत दिखने के लिए आप चाहें कुछ भी आजमाएं, चेहरे की चमक आत्मविश्वास से ही बढ़ती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। जब भी आप किसी कार्यक्रम या समारोह में शामिल होते हैं, या फिर कोई इंटरव्यू देने जाते हैं। हर जगह आत्मविश्वास से लबरेज चेहरा आकर्षित करता है।आपका यही आकर्षक आपको सबसे बेहतर बनाता है, जिसके कारण आपके आसपास के लोग खुद में आत्मविश्वास की कमी महसूस करने लगते हैं। कई बार आपका आत्मविश्वास आपके बिना कुछ किए ही आपको सफलता दिला देती है। प्रसन्न मन- मन की खुशी हमेशा चेहरे पर झलकती है, और चेहरे की चमक अपने आप बढ़ जाती है। हंसमुख चेहरा हर किसी के दिल में जगह बना लेता है, और हर कोई उसकी तरफ खुद-ब-खुद आकर्षित होने लगता है।किसी समारोह में तो यह खुशमिजाज चेहरा हर किसी के आकर्षण का केंद्र होता है। प्रसन्न मन का फायदा आपके चेहरे और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है।प्रसन्न चेहरे की रौनक देखते ही बनती है।

मेडिटेशन – मेडिटेशन आपके मन को एकाग्र करने के साथ-साथ आपके मन को शांत करता है, जिसका असर आपके चेहरे पर प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देता है। मन की शांति जब, सौम्यता और धैर्य के साथ चेहरे पर उतरती है, तो आंतरिक सुंदरता बेहद आकर्षित करती है। मेडिटेशन आपके हाव भाव और स्वभाव से आपको खूबसूरत बनाता है। यह आंतरिक खूबसूरती कुछ समय के लिए नहीं बल्कि हमेशा आपके साथ रहती है। खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5 टिप्स

योग-व्यायाम – योग, व्यायाम या एक्सरसाईज, कुछ भी कह लें, लेकिन यह आपके शरीर और आत्मा, दोनों को एक साथ खूबसूरत बनाता है। आपके अंदर सकारात्मक उर्जा का संचार करता है, जो आपके चेहरे पर साफ तौर पर दिखाई देता है। योग, मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से प्रभावित करता है।और व्यायाम शरीर में रक्तसंचार को सुव्यवस्थित करता है, जिससे आपके चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है, और विकृतियां भी दूर हो जाती है।

फल व सब्जियां – भोजन में तेल व मसालेदार पदार्थों के बजाए सात्विक भोजन एवं भरपूर मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसके इलावा इनमें पोषक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी होती है। हर तरह के फल का नियमानुसार सेवन अपके शरीर में विटामिन व मिनरल्स की कमी को दूर कर शरीर को स्वस्थ खता है, और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाता है। सकारात्मक

नजरिया –

आप अपने जीवन में चाहें कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी बेहतर क्यों न हों, वह सफलता कोई मायने नहीं रखती, जब तक आप खुद सकारात्मक न हों। सकारात्मकता का आपके व्यक्तित्व पर उतना ही असर पड़ता है, जितना पोषक तत्वों का शरीर पर। सकारात्मकता आपको अंदर ये खूबसूरत बनाती है। आप अपने अंदर एक रौनक महसूस करेंगे, जो आपके चेहरे पर भी दिखाई देती है।

मैजिक मुल्तानी मिट्टी का

चेहरे की चमक को बरकरार रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किसी भी उम्र में किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा में कसाव और रंगत में निखार आता है। यह स्किन के लिए बढ़िया टोनर और मॉश्चराइजर भी है। तो फिर क्यों न मुल्तानी मिट्टी से सौंदर्य निखार के कुछ नुस्खे आप भी आजमाइए।

रोमकूपों की सफाई हो जाए

मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग त्वचा के रोमकूपों की गंदगी की सफाई के लिए करना हो तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 4 छोटे चम्मच टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर प्रतिदिन लगाएं। रोमकूप साफ हो जाएंगे। इसे हाथों या अन्य जगह भी लगा सकती हैं।

झाइयां दूर हो जाए

चेहरे की झाइयां दूर करने के लिए थोड़ी अरहर की दाल का पाउडर, दही व पिसी हल्दी में थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के नियमित प्रयोग से झाइयां दूर हो जाएंगी।

मुंहासे गायब हो जाएं

मुंहासे सता रहे हों तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। मुंहासों वाली स्किन पर मुल्तानी मिट्टी का लेप सप्ताह में दो बार लगाएं। इससे त्वचा स्वस्थ व निर्मल हो जाएगी और मुंहासे भी गायब हो जाएंगे।

त्वचा हो जाए मुलायम

त्वचा को मुलायम व चमकदार बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच, चंदन पाउडर, 2 छोटे चम्मच नारियल पानी, 2 छोटे चम्मच खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। सप्ताह में 1 बार लगाने से त्वचा साफ, सुंदर और आकर्षक हो जाएगी।

सांवलापन दूर हो जाए

त्वचा का सांवलापन कम करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच ग्लिसरीन और 2 बड़े चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। फिर साफ, गुनगुने पानी से धो डालें। सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का प्रयोग करने से सांवली त्वचा में काफी हद तक निखार आ जाता है।

झुर्रियों से बचाव हो जाए

चेहरे को झुर्रियों से बचाने के लिए बादाम की 4-5 गिरियां पीस लें। इसमें 4 छोटे चम्मच खीरे का रस तथा 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बनाएं। महीने में चार बार इसका नियमित प्रयोग करें। कुछ दिनों बाद झुर्रियां कम हो जाएंगी।

केश मुलायम, रेशमी और घने हो जाएं

दो बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 बड़ा चम्मच दही घोलकर उसमें एक बड़ा चम्मच नीबू का रस मिलाएं। अच्छी तरह केशों की जड़ों में लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे केश मुलायम, रेशमी तथा घने होने के साथ अधिक समय तक काले भी रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

नाट्य रंगमंच पर 'छूना है आसमान' की दमदार प्रस्तुति

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। नाट्य निर्देशक बलवंत ठाकुर के बहुप्रतीक्षित नाटक 'छूना है आसमान' का मंचन शनिवार को नटरंग स्टूडियो थिएटर में किया गया। यह प्रस्तुति उनकी नई नाट्य कार्यप्रणाली पर आधारित रही जिसे मुख्य रूप से थिएटर ऑफ इमेजेज से प्रेरणा लेकर तैयार किया गया। नाटक ने युवा पीढ़ी को जीवन में उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने का संदेश दिया। नाटक की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रस्तुति शैली रही जिसमें संवादों के बजाय समूह कलाकारों की रचनात्मक रचनाओं और प्रभावशाली दृश्य भाषा के माध्यम से पूरा कथानक दर्शाया गया। इसमें युवाओं से जुड़ी समस्याओं—जैसे नशे की लत और बुजुर्गों के प्रति सम्मान में कमी—को उजागर किया गया। नाटक का केंद्रीय पात्र एक युवा है जो प्रगतिशील राष्ट्रों की तरह आगे बढ़ना चाहता है लेकिन समाज में व्याप्त नकारात्मकता, छोटे-छोटे झगड़े और विघटनकारी ताकतों के चलते निराश होता है।

प्रस्तुति में यह संदेश दिया गया कि प्रगति और विकास का मार्ग केवल शांति, आपसी सौहार्द और सकारात्मक सोच से ही प्रशस्त हो सकता है। नाटक का समापन युवाओं की इस शपथ के साथ हुआ कि वे छोटे-मोटे मुद्दों से ऊपर उठकर नई ऊँचाइयों को छुएंगे और समाज को समृद्धि व शांति की ओर ले जाएंगे।

जम्मू में आयोजित अंतर-जिला यूटी स्तर आयु वर्ग लड़कियों की तैराकी चैंपियनशिप संपन्न

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। युवा सेवाएं एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित अंतर-जिला यूटी स्तर सभी आयु वर्ग (एएजी) लड़कियों की तैराकी चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इंटरनेशनल दिल्ली पब्लिक स्कूल (आईडीपीएस) जम्मू में किया गया। इस प्रतियोगिता में जम्मू, बडगाम, सांबा, कठुआ और श्रीनगर सहित विभिन्न जिलों से लगभग 50 प्रतिभाशाली तैराकों ने हिस्सा लिया। चैंपियनशिप में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। आईडीपीएस जम्मू के प्रबंध निदेशक सुमिंदर सिंह और प्रिंसिपल रणदीप वज़ीर ने चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन करते हुए संस्था की युवा खेल पहलों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।यह चैंपियनशिप युवा खिलाड़ियों के लिए न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच बनी बल्कि खेलों के माध्यम से एकजुटता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत करने वाली साबित हुई। आयोजकों ने इस प्रतियोगिता को भविष्य में और व्यापक स्तर पर आयोजित करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

लघुकथा सम्मेलन में देशभर के लघुकथाकारों ने दी सार्थक उपस्थिति

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। हिंदी दिवस के अवसर पर हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन, सिरसा एवं हरियाणा प्रादेशिक लघुकथा मंच द्वारा 14वां लघुकथा सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, बिहार, मध्यप्रदेश सहित हरियाणा के विभिन्न जिलों से नामचीन लघुकथाकारों ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी ललित मोहन ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के वरिष्ठ लघुकथाकार एवं चिकित्सक डॉ. रामकुमार घोटड़ उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि श्री पवन कुमार गुप्ता तथा प्रो. (डॉ.) ऋचा शर्मा थीं। मुख्य संयोजक प्रो. रूप देवगुण ने मंच की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सम्मेलन लघुकथा के समर्पित साधकों के लिए एक उत्सव है। इस अवसर पर लघुकथा पर्व-3, दीपांजलि, आठवां सुर, चमक जुगनू की, आई एम नॉट एकलव्य समेत कई महत्वपूर्ण लघुकथा संग्रहों का विमोचन किया गया। हिंदी विमर्श में डॉ. शील कौशिक ने हिंदी को वैश्विक संवाद की भाषा बताते हुए कहा कि हिंदी का प्रसार स्वयं ही अपना मार्ग प्रशस्त कर रहा है, बस इसके प्रति दुर्भावनाएं न पालें। सम्मेलन के दौरान अपना आधार खोती आधुनिक लघुकथा विषय पर सारगर्भित विमर्श हुआ जिसमें प्रो. डॉ. ऋचा शर्मा ने महाराष्ट्र के लघुकथाकारों के उदाहरण देते हुए लघुकथा की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ समीक्षक सिद्धेश्वर और आलोचक योगराज प्रभाकर ने लघुकथाओं की समीक्षा प्रस्तुत की और सुधारात्मक सुझाव दिए।

खनन विभाग कठुआ ने 05 महीनों में दो करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूला

कठुआ, 04 अक्टूबर (हि.स.)। कठुआ जिला प्रशासन के निर्देश अनुसार कार्रवाई करते हुए खनन विभाग ने जिले भर में अवैध खनन गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जिला खनन अधिकारी विशाल डोगरा के नेतृत्व में विभाग अवैध खनन की शिकायतों पर चैबीसों घंटे सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विभाग ने बीते 05 महीनों में दो करोड़ से अधिक का जुर्माना वसूलकर रिकॉर्ड बनाया है। जानकारी के अनुसार विभाग की गतिविधियाँ न केवल सक्रिय रही हैं बल्कि रिकॉर्ड तोड़ जुर्माना वसूली भी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 269 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई और 2,49,84,302 का जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त अप्रैल 2025 से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान विभाग ने अवैध खनन में शामिल 466 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की और 2,16,48,928 का जुर्माना वसूला। ये आंकड़े पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक हैं जो विभाग की बढ़ी हुई सतर्कता और सख्त प्रवर्तन को दर्शाते हैं। डीएमओ कठुआ के अनुसार अवैध खनन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग चैबीसों घंटे निगरानी बनाए हुए है और कोई भी शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। अवैध खनन में शामिल वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी यह अभियान इसी तीव्रता से जारी रहेगा। प्रशासन के इस सख्त रुख को स्थानीय निवासियों का व्यापक समर्थन मिला है जो पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की वकालत करते हैं।

जम्मू मंडल ने विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत स्वच्छ स्टेशन अभियान शुरू किया

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। चल रहे विशेष अभियान 5.0 और स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मंडल के सभी स्टेशनों पर गहन सफाई सुनिश्चित करने और मंडल में स्वच्छता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान चलाए गए।

जम्मू, कटरा, पठानकोट कैंट, पठानकोट सिटी, बडगाम आदि जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों को शून्य अपशिष्ट - कचरा मुक्त बनाने के लक्ष्य के अनुरूप, प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालय, घूमने-फिरने के स्थानों, नालियों और शौचालयों में गहन सफाई गतिविधियाँ की गईं। कचरे के पृथक्करण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख स्थानों पर अलग-अलग कूड़ेदान रखे गए और रेलवे कर्मचारियों द्वारा उनके उचित उपयोग की सक्रिय निगरानी की गई।

यह अभियान विशेष अभियान 5.0 के तहत स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत के राष्ट्रव्यापी अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ, हरित और यात्री-अनुकूल वातावरण बनाने के लिए जम्मू मंडल के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत बिश्नाह में रन फॉर यूनिटी का आयोजन

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रेकन ग्रुप बिश्नाह, साइक्लिंग ग्रुप बिश्नाह, बिश्नाह के मीडिया जगत और बिश्नाह के अन्य गणमान्य नागरिकों के सहयोग से सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत बिश्नाह में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया।

एसएमवीडीयू छात्रों ने कटड़ा के गांव कोटला में चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। गांधी जयंती के अवसर पर श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू), कटड़ा के छात्रों ने उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत कोटला गांव में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छ आदतों और सतत कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाना था जो महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने से सीधे जुड़ा है। छात्रों ने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों के साथ संवाद कर हाथ धोने की आदत, कचरे के पृथक्करण और स्वच्छ परिवेश बनाए रखने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान घरों के कचरे के सही निपटान और आसपास के वातावरण को साफ रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए गए। ग्रामीणों विशेषकर बच्चों और युवाओं ने पूरे उत्साह से भाग लेकर स्वच्छ भारत अभियान की भावना को अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने आश्वासन दिया कि वे इन स्वच्छता आदतों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएंगे। छात्रों ने इस अवसर पर यह संदेश भी दिया कि स्वच्छता केवल एक दिन की गतिविधि नहीं बल्कि एक सतत आदत है जो बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ पर्यावरण की कुंजी है। इस अवसर पर यूबीए संयोजक डॉ. भारत भूषण जिंदल और डॉ. सनी कुमार शर्मा ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियान न केवल समाज को जागरूक करते हैं बल्कि सामुदायिक सहयोग से गांवों में सकारात्मक बदलाव लाने में भी मददगार साबित होते हैं।

जम्मू में डेंगू-चिकनगुनिया मामलों में तेजी पर भाजपा नेता ने जताई चिंता

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के सह-संयोजक डॉ. वरिंदर शर्मा ने जम्मू में डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि केवल पिछले महीने तक जम्मू नगर निगम (जेएमसी) क्षेत्र से ही लगभग 350 मामले सामने आ चुके हैं और मौसम के चलते आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। डॉ. शर्मा ने जेएमसी, स्वास्थ्य विभाग, एंटी-मलेरिया विंग और अन्य एजेंसियों से जमीनी स्तर पर तत्काल कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक प्रत्येक वार्ड का दौरा कर नालों की सफाई, जलभराव की समाप्ति और नियमित फॉगिंग व स्प्रे अभियान सुनिश्चित करें।

नैशनल मजदूर कांफ्रेंस ने लंबित डीए किश्त दिवाली से पहले जारी करने की मांग की

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। नैशनल मजदूर कांफ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से लंबित 3 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डीए) की किस्त जल्द से जल्द जारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह किस्त जुलाई से लंबित है जबकि केंद्र सरकार सहित बिहार और राजस्थान सरकारें अपने कर्मचारियों और पेंशनधारकों को यह सुविधा पहले ही प्रदान कर चुकी हैं। एनएमसी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए शास्त्री ने कहा कि वार्षिक बजट में पहले से ही प्रावधान होने के कारण केंद्र शासित प्रदेश सरकार को इसे जारी करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिवाली से पहले यह निर्णय लेना कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देने का एक सही कदम होगा जिससे वे त्योहार उत्साहपूर्वक मना सकें। शास्त्री ने केंद्र सरकार तथा बिहार और राजस्थान सरकारों द्वारा डीए किस्त जारी करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी डीए 50 प्रतिशत से अधिक हो जाता है, केंद्र को इसे मूल वेतन/पेंशन में शामिल करने का दायित्व है। चूंकि डीए अब 58 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, हम मांग करते हैं कि 50 प्रतिशत डीए को तत्काल प्रभाव से वेतन और पेंशन में शामिल किया जाए।

जिला पुलिस रियासी ने कटरा में क्रिकेट टूर्नामेंट का किया आयोजन

रियासी, 4 अक्टूबर (हि.स.)। पुलिस-जनता संबंधों को मज़बूत करने और युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए जिला पुलिस रियासी ने श्री माता वैष्णो देवी स्पोर्ट्स स्टेडियम, कटरा में नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम के तहत एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया।

इस टूर्नामेंट का उद्घाटन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रियासी परमवीर सिंह जेकेपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटरा विपन चंद्रन-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक कटरा डॉ. भीष्म दुबे-जेकेपीएस और थाना प्रभारी कटरा इंस्पेक्टर ख्यातिमान खजूरिया ने गणमान्य नागरिकों, गणमान्य व्यक्तियों और बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के गायन से हुई जिसने पूरे माहौल को देशभक्ति के जोश से भर दिया।

इस टूर्नामेंट में तहसील कटरा की कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन मैच बाबा अगर जित्तो क्रिकेट क्लब और नित्यानंद पंथल क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जो दो प्रतिभाशाली स्थानीय टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बाबा जित्तो क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। विशाल (35), विकास (20), जगजीत (16) और शगुन (16) ने बल्ले से अहम योगदान दिया। नित्यानंद पंथल क्रिकेट क्लब के लिए अजीत ने 33 रन देकर 3 विकेट लिए, शुभम ने 24 रन देकर 2 विकेट, अनूप सिंह ने 18 रन देकर 1 विकेट और अनुबंध सिंह ने 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

IN THE COURT OF CHIEF JUDICIAL MAGISTRATE, UDHAMPUR

Present: Rekha Kapoor Nischal

State (Now U.T of J&K) through P/S Udhampur.

Versus

Jano Din S/o Ahad Shah, C/o Mistri Ajay Work Shop, Omara Chowk, Udhampur.

In case FIR No.419/94 for offences under Section 279/337/338 RPC of P/S Udhampur.

PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF THE ACCUSED

Whereas Challan has been filed before the Court that Jano Din S/o Ahad Shah, C/o Mistri Ajay Work Shop, Omara Chowk, Udhampur has committed an offence under Section **279/337/338 RPC** and it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the said accused cannot be found and whereas it has been shown to my satisfaction that the said accused has absconded or is concealing himself to avoid the execution of warrant.

Proclamation is hereby made that Jano Din S/o Ahad Shah, C/o Mistri Ajay Work Shop, Omara Chowk, Udhampur is required to appear in person at Udhampur before this Court to answer the charge on 03.10.2025 at 10.00 am.

Given under my hand and seal of this Court today on 3rd September, 2025.

Sd/-
Chief Judicial Magistrate
Udhampur

DIP/J-6523/25
Dtd:4-10-2025

मलिक ने केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. दरख़्शां अंद्राबी से की मुलाक़ात, सौंपा ज्ञापन

अमीर इक़बाल ख़ान

जम्मू, 04 अक्तूबर। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के विधिक सलाहकार तथा दि सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन एडवोकेट मलिकज़ादा मोहम्मद शाहज़ाद ने आज केंद्रीय राज्य मंत्री एवं जम्मू-कश्मीर वक़्फ़ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सैयद दरख़्शां अंद्राबी से उनके कार्यालय में मुलाक़ात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में आम जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों और उनकी लम्बे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

शाहज़ाद, जो एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मंत्री से मिले थे, ने कहा कि आम लोग वर्षों से समस्याओं के समाधान की पुकार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज़ें सही मंच तक नहीं पहुँच पाईं। उन्होंने कहा, फ़जनता की परेशानियाँ बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में अब हम मंत्री जी से उम्मीद करते हैं कि वे हस्तक्षेप कर इन लंबित मुद्दों को सुलझाएँगी

प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. अंद्राबी से ज़मीनी हालात का जायज़ा लेने और पीड़ित वर्ग तक राहत पहुँचाने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। शाहज़ाद ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार आगे आए और जनता से किए गए वायदों को पूरा करे। इस अवसर पर डॉ. अंद्राबी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाए गए मसलों को बिना विलंब के आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार जनता की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आवश्यक कार्यवाही समय पर की जाएगी। साथ ही उन्होंने एमआरएम और सामाजिक संगठनों द्वारा ज़मीनी स्तर पर जनता तक पहुँचने और उनके मुद्दों को उठाने के प्रयासों की सराहना भी की। बाद में शाहज़ाद ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह ज्ञापन महज़ औपचारिकता बनकर नहीं रह जाएगा, बल्कि सरकार शीघ्र ही कदम उठाकर पीड़ित वर्ग को राहत पहुँचाएगी।

रेशमघर कॉलोनी में गली-नाली अपग्रेडेशन कार्य का शुभारंभ

जम्मू, 4 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने रेशमघर कॉलोनी वार्ड नंबर 13 में गली और नाली के उन्नयन कार्य का उद्घाटन किया। इस कार्य का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना, जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अरविंद गुप्ता ने कहा कि यह कार्य प्रत्येक निवासी को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने कहा कि साफ-सुथरी गलियां और सुचारू ड्रेनेज व्यवस्था सार्वजनिक स्वास्थ्य और शहरी विकास के लिए आवश्यक है। गुप्ता ने भरोसा दिलाया कि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति, जेएमसी डिविजन-1 के एक्सईएन राजेश कुमार, एईई सुरन सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता अतुल बक्शी और संजय शर्मा मौजूद रहे। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भी भागीदारी निभाई। इस परियोजना के तहत गली को चौड़ा करने, रास्तों को व्यवस्थित करने और मजबूत नाली प्रणाली विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से छुटकारा मिल सके।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA

Tele/Fax :01924-253998/

Notice Inviting Tender

e-NIT No.: - MID/AN/57 Dated: -30/09/2025

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Restoration by impregnation /strengthening/rebuilding of 60 HP motors of unit no. 1&2 along with 250 KVA voltage stabilizer & 250KVA electric power transformer and suction pipes at LIS Kah	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered/Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 30/09/2025 (05:00PM) to 09/10/2025 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 04/10/2025 (10:00 AM) to 09/10/2025 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 03/10/2025 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 10/10/2025 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3. Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
No: - MID/AN/893-97
Dated: - 30-09-2025

-Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

DIP/J-6512/25
Dtd:4-10-2025

संपादकीय

ज़ोरदार और स्पष्ट संदेश

भारत ने दुष्ट देश पाकिस्तान को बिना किसी लाग-लपेट के यह संदेश दे दिया है कि उसके पास अपने तौर-तरीके सुधारने के अलावा कोई चारा नहीं है, वरना उसका अस्तित्व ही मिट जाएगा। यह हैरानी की बात है कि अपनी नाकाबिलियत जानते हुए भी, भारत का यह सिद्धांतहीन पड़ोसी तरह-तरह के दुस्साहस करके अपने नापाक इरादों को अंजाम दे रहा है। चूँकि भारत में सत्ता मज़बूत और दृढ़ हो गई है, इसलिए पाकिस्तान के लिए यही उचित है कि वह अब से छद्म युद्ध बंद कर दे, वरना उसे इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। इस संदर्भ में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सही ही कहा है कि एनडीए सरकार ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक और हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता व अखंडता की रक्षा के लिए ज़रूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। यह बात काफ़ी नहीं थी क्योंकि सेना प्रमुख ने पाकिस्तान को यह चेतावनी भी दी है कि अगली बार भारत संयम नहीं दिखाएगा। यह प्रतिक्रिया रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि गुजरात के सर क्रीक सेक्टर में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस पर भारत की प्रतिक्रिया इतनी कड़ी और निर्णायक होगी कि वह इतिहास और भूगोल दोनों बदल देगी। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने भारत को भारी नुकसान पहुँचाने के इस्लामाबाद के दावों को काल्पनिक करार दिया है। भारत के महत्वपूर्ण लोगों के ये सभी बयान देश के उच्च मनोबल को दर्शाते हैं और पाकिस्तान को भी इसे बहुत गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि भविष्य में कोई भी दुस्साहस उसके लिए विनाशकारी साबित हो सकता है क्योंकि देश की सैन्य शक्ति अतुलनीय है और पाकिस्तान जैसे देश भारत जैसे शक्तिशाली देश के सामने एक दिन भी नहीं टिक सकते। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि अब कोई भी देश भारत को धमका नहीं सकता क्योंकि उसके राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने लगातार लोगों की रक्षा और संप्रभुता की रक्षा करने का दृढ़ संकल्प और क्षमता दिखाई है। यदि इस्लामाबाद किसी भी प्रकार के टकराव का रास्ता चुनता है, तो उसे अपने कार्यों के अनुरूप परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की अधूरी यात्रा

जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नज़रअंदाज़ करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

- डॉ प्रियंका सौरभ

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है।

यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते-पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही 'लीकी पाइपलाइन' कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग 43 प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र 14 प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग 15 प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे।

वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे जिम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह कड़ी है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है।

इसकी कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत-सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं।

वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है।

यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है।

जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नज़रअंदाज़ करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

इसके साथ ही यह भारत की वैश्विक छवि का भी सवाल है। लैंगिक समानता की दिशा में ठोस कदम भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं और नेतृत्व की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर जब भारतीय महिला वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलती हैं तो वह भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन जाता है। इससे भी आगे, यह आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षा का प्रश्न है। अगर आज हम विज्ञान में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हैं, तो कल हमारी बेटियाँ आत्मविश्वास से भरी होंगी और विज्ञान को अपनी पसंद का क्षेत्र मानेंगी।

सरकार ने कुछ सकारात्मक कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की किरण योजना, महिला वैज्ञानिक योजना, एसईआरबी पॉवर फेलोशिप जैसी पहलें युवा महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। इसरो और डीआरडीओ ने लचीले कार्य समय, विस्तारित मातृत्व अवकाश और घर से काम करने जैसे विकल्प लागू किए हैं। कई संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता समितियाँ भी गठित की गई हैं। लेकिन यह सब अभी भी अपर्याप्त है। आवश्यकता है कि इन योजनाओं की पहुँच को बढ़ाया जाए और उन्हें प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए। सबसे बढ़कर, समाज की मानसिकता बदली जाए। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विज्ञान पुरुषों का नहीं, बल्कि सभी का क्षेत्र है।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की यात्रा प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे बढ़ चुकी है, लेकिन नेतृत्व तक पहुँचने में अब भी कई बाधाएँ मौजूद हैं। यह बाधाएँ केवल व्यक्तिगत हानि नहीं बल्कि राष्ट्रीय हानि भी हैं। अगर भारत को ज्ञान शक्ति बनना है, तो इस रिसाव को रोकना ही होगा। वास्तविक नवाचार और उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पुरुष और महिलाएँ बराबरी से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों। यह केवल समान अवसर का सवाल नहीं है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी प्रश्न है

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आर्थिक आत्मविश्वास और नीतिगत स्थिरता का प्रमाण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आर्थिक ताकत और नीतिगत प्रतिबद्धता को मान्यता देने वाला एक विशेष समय सामने आया है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' और अल्पकालिक रेटिंग को 'ए-3' से 'ए-2' कर दिया है। यह सुधार किसी सामान्य तकनीकी घोषणा भर का मामला नहीं है बल्कि यह उस आर्थिक आत्मविश्वास और नीतिगत स्थिरता का प्रमाण है, जिसे भारत ने निरंतर बनाए रखा है।

दरअसल, वर्ष 2007 के बाद यह पहली बार है जब भारत की रेटिंग में सुधार हुआ है और इस अंतराल में दुनिया की अर्थव्यवस्था ने कई गहरे झटके झेले हैं। 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, यूरोपीय ऋण संकट, कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम एशियाई अस्थिरता जैसी चुनौतियाँ भारत के सामने भी थीं, लेकिन इन सबके बीच भारत ने न केवल अपने विकास को स्थिर बनाए रखा बल्कि भविष्य की संभावनाओं को भी और मज़बूत किया। रेटिंग सुधार इसीलिए भारत की नीतिगत क्षमता और आर्थिक लचीलापन दोनों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है।

यह सुधार निवेशकों के लिए एक भरोसे का संदेश है। 'बीबीबी' श्रेणी को निवेश ग्रेड माना जाता है और इसका अर्थ यह है कि भारत अपने वित्तीय दायित्वों को समय पर पूरा करने की पर्याप्त क्षमता रखता है। यद्यपि यह रेटिंग अभी 'ए' या 'एएए' स्तर तक नहीं पहुँची है, लेकिन यह मान्यता महत्वपूर्ण है कि भारत अब उन देशों की श्रेणी में शामिल है जिन्हें सुरक्षित निवेश गंतव्य माना जाता है। अल्पकालिक 'ए-2' रेटिंग भी यही बताती है कि भारत की तत्कालीन वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर कोई खतरा नहीं है। यह सुधार भारत की उस दीर्घकालिक आर्थिक योजना का हिस्सा है, जिसमें तेज़ जीडीपी वृद्धि, मजबूत मौद्रिक ढाँचा, नियंत्रित मुद्रास्फीति और बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश शामिल है।

अगर हालिया आंकड़ों पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच भारत की औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.8 प्रतिशत रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है। एसएंडपी का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में भी भारत 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ता रहेगा।

यह दर उस समय में उल्लेखनीय है जब चीन की वृद्धि दर पाँच प्रतिशत से नीचे जा रही है और यूरोप व अमेरिका की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ मंदी के दबाव से जूझ रही हैं।

इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बन चुका है और आने वाले वर्षों में इसका दबदबा और बढ़ेगा।

इस वृद्धि के पीछे सरकार का राजकोषीय प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित नीतियां प्रमुख कारण रही हैं। महामारी के दौरान भारत का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 9 से 13 प्रतिशत तक पहुँच गया था। लेकिन अब यह घटकर वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है। राज्य सरकारों का घाटा भी अगले तीन-चार वर्षों में औसतन 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। केंद्र और राज्यों दोनों को मिलाकर सामान्य सरकारी घाटा 2029 तक 6.6 प्रतिशत पर आ सकता है। यह सुधार न केवल वित्तीय अनुशासन का प्रमाण है बल्कि यह भी बताता है कि सरकार ने बड़े पैमाने पर निवेश को बिना चालू खाता घाटा बढ़ाए सफलतापूर्वक वित्तपोषित किया है। यह भारत की विश्वसनीयता में बढ़ोतरी करने वाला कारक है।

बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए निवेश ने भी भारत की आर्थिक संभावनाओं को एक नई दिशा दी है। वित्त वर्ष 2026 तक केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.2 ट्रिलियन रुपये तक पहुँचने का अनुमान है, जो जीडीपी का 3.1 प्रतिशत होगा। यदि राज्यों को मिलाया जाए तो यह अनुपात 5.5 प्रतिशत तक जाता है। इतनी बड़ी पूंजीगत हिस्सेदारी केवल आँकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह सड़कों, रेलमार्गों, बंदरगाहों, ऊर्जा संयंत्रों और डिजिटल अवसंरचना के निर्माण में परिलक्षित होती है। यह निवेश दीर्घकालिक विकास की बाधाओं को दूर करने में सहायक है। भारत की समस्या लंबे समय तक यही रही कि यहाँ बुनियादी ढाँचे की कमी विकास की गति को रोक देती थी। अब केंद्र की मोदी सरकार इस कमी को व्यवस्थित रूप से दूर कर रही है और इसका लाभ उद्योग, व्यापार और नागरिकों सभी को मिलेगा।

मुद्रास्फीति पर नियंत्रण और मौद्रिक नीति की स्थिरता इस रेटिंग सुधार के दूसरे बड़े कारण हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2015 से मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का ढाँचा अपनाया, जिसमें 2 से 6 प्रतिशत के बीच खुदरा मुद्रास्फीति रखने का लक्ष्य है। पिछले तीन वर्षों में औसतन मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत पर रही है और हाल के महीनों में यह घटकर 2 प्रतिशत के करीब आ गई है। जुलाई 2025 में मुख्य सीपीआई मुद्रास्फीति केवल 1.6 प्रतिशत रही, जो वैश्विक ऊर्जा मूल्य अस्थिरता के बावजूद उल्लेखनीय है। यही कारण है कि फरवरी 2025 में रिजर्व बैंक ने नीतिगत रेपो दर को घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। मुद्रास्फीति नियंत्रण का यह अनुभव निवेशकों को भरोसा देता है कि भारत में मूल्य अस्थिरता आर्थिक विकास की राह में बाधा नहीं बनेगी।

विदेशी निवेशकों के लिए भारत अब और अधिक आकर्षक बन गया है। रेटिंग सुधार का सीधा अर्थ है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से भारत को सस्ता ऋण मिलेगा। इससे न केवल सार्वजनिक परियोजनाओं की फंडिंग आसान होगी बल्कि निजी क्षेत्र को भी अधिक अवसर मिलेंगे। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो निवेश दोनों में वृद्धि की संभावना है। निवेशकों की नजर में स्थिर नीतियाँ और भरोसेमंद संस्थागत ढाँचा सबसे बड़ा आकर्षण होता है। भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

चाहे दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता हो, जीएसटी जैसी कर सुधार व्यवस्था हो या डिजिटलीकरण की पहल, इन सबने भारत की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी और कुशल बनाने में योगदान दिया है।

रेटिंग सुधार का एक गहरा राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व भी है। यह केवल आर्थिक आँकड़ों की मान्यता नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का भी संकेत है। दुनिया की बड़ी कंपनियाँ और निवेशक जब यह देखते हैं कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ भारत की रेटिंग सुधार रही हैं, तो उनका विश्वास और बढ़ता है। यह सुधार भारत की छवि को उभरते हुए आर्थिक शक्ति से एक स्थिर और भरोसेमंद शक्ति में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या भारत इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक सुधारों को आगे बढ़ाने में कर पाएगा? रेटिंग सुधार केवल एक आरंभ है, अंत नहीं। इसे बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए भारत को राजकोषीय अनुशासन को और मज़बूत करना होगा, निर्यात विविधीकरण करना होगा, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना होगा तथा सामाजिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। विकास तभी टिकाऊ और सार्थक होगा जब वह समाज के हर वर्ग तक पहुँचे।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है।

आस्ट्रेलिया वनडे : बुमराह-गिल के कार्यभार पर होगी चर्चा, अभिषेक और जायसवाल में से किसे मिलेगा मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर चर्चा होगी लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उनका चयन तय है हालांकि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए भारतीय टीम में कुछ बदलाव करने होंगे। चयनकर्ता वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे टेस्ट के दौरान वनडे टीम का चयन करेंगे लेकिन घोषणा मैच के बाद हो सकती है। हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोटों के कारण उपलब्ध नहीं होंगे जबकि एशिया कप और उसके तीन दिन के भीतर दो टेस्ट की श्रृंखला खेलने वाले टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी ब्रेक की जरूरत है। ऐसे में उन्हें वनडे या टी20 या दोनों से आराम दिया जा सकता है। रोहित और कोहली मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं और उन्होंने पिछले सात महीने में काफी मेहनत की है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक के अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में सर्वाधिक रन बनाये थे। वहीं रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ विजयी पारी खेली। रोहित को कप्तानी से हटाने का भी कोई कारण नहीं है क्योंकि इस प्रारूप में वह काफी सफल रहे हैं। वह खुद बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कप्तानी छोड़ना चाहें तो बात अलग है। दोनों टेस्ट और वनडे से रिटायर हो चुके हैं और सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए उनके भविष्य पर भी बात होगी।

एशिया कप के बाद थमा अभिषेक शर्मा का बल्ला, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहली गेंद पर आउट

नई दिल्ली। भारत के नंबर 1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, जो हाल ही में एशिया कप 2025 में अपने प्रदर्शन से सुर्खियों में थे, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक वनडे में बुरी तरह फ्लॉप रहे। कानपुर में खेले जा रहे मैच में वह पारी की शुरुआत करने उतरे लेकिन पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

शानदार फॉर्म में अचानक गिरावट

एशिया कप 2025 में अभिषेक ने 300 से ज्यादा रन बनाए थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने उम्मीद जगाई थी कि वे इस श्रृंखला में भी चमकेंगे। लेकिन दूसरी ही ओवर में जैक एडवर्ड्स की गेंद पर वह विल सदरलैंड को कैच थमा बैठे।

कप्तान श्रेयस अय्यर भी चूके

पहले मैच में शतक जड़ने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी इस मुकाबले में रन बनाने में असफल रहे। इससे भारत ए की शुरुआत बेहद खराब रही। हालांकि पिछले मैच में भारत ए ने प्रियांश आर्य और अय्यर के शतकों की बदौलत 171 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

महिला विश्व कप : इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत, द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी । लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए। इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजैन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था। इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया।

ध्रुव जुरेल का पहला टेस्ट शतक, बने भारत के 12वें विकेटकीपर शतकवीर

अहमदाबाद । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ध्रुव जुरेल ने अपने करियर का पहला टेस्ट शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन 24 वर्षीय जुरेल 99 रन पर थे, लेकिन दबाव को दरकिनार करते हुए उन्होंने रोस्टन चेज़ की गेंद पर चौका जड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

खास क्लब में शामिल

जुरेल भारत के लिए टेस्ट में शतक लगाने वाले 12वें विकेटकीपर बने। वह विजय मांजरेकर, फारुख इंजीनियर, अजय रात्रा और रिद्धिमान साहा जैसी हस्तियों की सूची में शामिल हो गए। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह सिर्फ पांचवें भारतीय विकेटकीपर हैं।

कैलेंडर वर्ष का रिकॉर्ड: 2025 में यह किसी भारतीय विकेटकीपर का तीसरा शतक है, जो एक कैलेंडर वर्ष में भारत की ओर से विकेटकीपरों द्वारा सर्वाधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2013 में दक्षिण अफ्रीका के पास था, जिसने एक वर्ष में चार शतक देखे थे।

अहमदाबाद टेस्ट दूसरा दिन: राहुल, जुरेल और जडेजा के शतकों से भारत को 286 रनों की बढ़त

एजेंसी

अहमदाबाद। सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल, युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ध्रुव जुरेल और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के शतकों की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन अपनी स्थिति बेहद मज़बूत कर ली। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 5 विकेट पर 448 रन बना लिए हैं और पहली पारी के आधार पर 286 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली है।

वेस्टइंडीज़ की पहली पारी मात्र 162 रनों पर सिमट गई थी।

दिन की शुरुआत भारत के स्कोर 121/2 से हुई। कप्तान शुभमन गिल (50, 100 गेंद, 5 चौके) ने अर्धशतक पूरा किया लेकिन जल्द ही रोस्टन चेज़ (2/37) की गेंद पर स्लिप में कैच देकर आउट हो गए। गिल ने राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। इसके बाद के.एल. राहुल ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाज़ी करते हुए शतक पूरा किया। हालांकि लंच के बाद वह 100 रन पर जोमेल वेरिकन की गेंद पर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद बल्लेबाज़ी संभाली ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए शानदार 206 रनों की साझेदारी कर टीम को मज़बूती दी। इस दौरान जुरेल ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया और 125 रन की पारी खेलकर खारी पीयर का शिकार बने।दिन के अंतिम सत्र में रवींद्र जडेजा ने भी शतक पूरा किया और खेल खत्म होने तक 104 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनके साथ वाशिंगटन सुंदर (9)* क्रीज़ पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज़ की ओर से रोस्टन चेज़ ने 2 विकेट लिए, जबकि खारी पीयर, जेडन सील्स और जोमेल वेरिकन को 1-1 सफलता मिली।

स्कोरकार्ड

वेस्टइंडीज़ (पहली पारी):162

भारत (पहली पारी, दूसरा दिन): 448/5 (128 ओवर)

के.एल. राहुल - 100

ध्रुव जुरेल - 125

रवींद्र जडेजा - 104*

शुभमन गिल - 50

गगनजीत भुल्लर जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी

जकार्ता । भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर वर्षा से बाधित जकार्ता इंटरनेशनल चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में एक समान पांच अंडर 65 का कार्ड खेल दूसरे स्थान पर रहे। भुल्लर अब थाईलैंड के पावित टांगकमोलप्रासर्ट (64-65) से सिर्फ एक शॉट पीछे हैं, हालांकि दूसरे दिन का खेल अभी पूरा नहीं हुआ है। 37 साल के खिलाड़ी ने पहले दौर की शुरुआत ईगल के साथ की, लेकिन अंधेरा होने के कारण पहने दिन का खेल पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने सुबह अपने पहले दौर को पूरा किया और फिर दूसरे दौर के बाद अपना कुल स्कोर 10 अंडर कर लिया। भुल्लर के एशियन टूर पर कुल 11 खिताब हैं, जिनमें से पांच जीतें उन्होंने इंडोनेशिया में हासिल की हैं। अब वह इस देश में अपनी छठी जीत की तलाश में हैं। अन्य भारतीयों में एस. चिक्कारंगप्पा ने पहले राउंड में 69 और दूसरे में 67 का स्कोर किया। वह संयुक्त 26वें स्थान पर है। राहिल गंगजी, खालिन जोशी, विराज मडप्पा , करणदीप कोचर और अजीतेश संधू , एसएसपी चौरसिया और युवराज संधू का दूसरे दौर का खेल खत्म नहीं हुआ है।

सीनियर महिला हॉकी अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप : फाइनल में रेलवे प्रमोशन बोर्ड का सामना इंडियन ऑयल से

जेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में चल रही 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 अब अपने फाइनल मुकाबले के करीब पहुंच गई है। आज खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली है।

पहले सेमीफाइनल में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को 3-1 से हराया। रेलवे की ओर से लालरेम्सियामी (7'), नवनीत कौर (39') और वंदना कटारिया (50') ने शानदार गोल दागे। वहीं, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए गारलंका वरहालम्मा (53') ने एकमात्र गोल किया। दूसरे सेमीफाइनल में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड - विमेंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस को 8-0 के बड़े अंतर से पराजित किया। विजेता टीम के लिए

राजविंदर कौर (12', 43') ने दो गोल दागे, जबकि कप्तान उडिता (40'), मुमताज खान (49'), शर्मिला देवी (52'), ज्योति (56'), सीमा (58') और सुमन देवी टीएच (60') ने एक-एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। शनिवार सुबह 10 बजे तीसरे स्थान के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस आमने-सामने होंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे फाइनल में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड खिताब के लिए भिड़ेंगे।

भारतीय ए महिला हॉकी टीम चीन दौरे के लिए तैयार, मनीषा चौहान होंगी कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ए महिला हॉकी टीम चीन दौरे के लिए तैयार है। इस दौरान टीम 13 से 21 अक्टूबर 2025 तक लियाओनिंग टीम के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज़ खेलेगी। सभी मुकाबले डालियान स्थित लियाओनिंग स्पोर्ट्स सेंटर में खेले जाएंगे। यह दौरा भारतीय महिला हॉकी की नई पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव दिलाने और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल से रूबरू कराने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

भारतीय ए और लियाओनिंग टीम के बीच मुकाबले 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इस दौरे को भारतीय महिला हॉकी कार्यक्रम के विकास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को नए माहौल में ढालना और उन्हें उच्च स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान को सौंपी गई है, जो अपने नेतृत्व और रणनीतिक समझ के लिए जानी जाती हैं। टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी भारतीय महिला हॉकी टीम के एनालिटिकल कोच डेव स्मोलेनर्स संभालेंगे।डेव स्मोलेनर्स ने कहा, हमने एक संतुलित और युवा टीम तैयार की है, जिसमें अपार संभावनाएं हैं। चीन दौरा खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमताएं दिखाने, नए माहौल में सीखने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर है। मुझे विश्वास है कि यह खिलाड़ी दृढ़ संकल्प और टीमवर्क के साथ इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे।भारत ए महिला टीम (19 सदस्यीय) - चीन दौरे के लिए

गोलकीपर:- बंसरी सोलंकी, माधुरी किंडो।

डिफेंडर:- मनीषा चौहान (कप्तान),अक्षता अबासो

ढेकाले, ज्योति छेत्री,महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग।

मिडफील्डर:- सुजाता कुजुर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजुर,

पूजा यादव, बलजीत कौर, दिपि मोनिका टोप्पो।

फॉरवर्ड:- अलबेला रानी टोप्पो, ऋतिका सिंह, अन्नु, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपदकर, सेलेस्टिना होरो।

पीकेएल-12 : दबंग दिल्ली ने दर्ज की 9वीं जीत, यूपी योद्धाज को 43-26 से हराकर टेबल टॉपर बनी

एजेंसी

चेन्नई। कप्तान आशु मलिक (14 प्वाइंट) की अगुवाई में एक और दमदार प्रदर्शन की बदौलत दबंग दिल्ली ने यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 61वें मैच में यूपी योद्धाज को 43-26 से हरा दिया। 10 मैचों में नौवीं जीत के बाद दबंग दिल्ली अब 18 प्वाइंट लेकर अंकतालिका में फिर से नंबर वन पायदान पर पहुंच गई है। दबंग दिल्ली की इस सीजन में यह लगातार तीसरी जीत है। वहीं, यूपी योद्धा को 10 मैचों में छठी हार झेलनी पड़ी है। दबंग दिल्ली के लिए आशु मलिक के 14 प्वाइंट के अलावा अजिंक्य पवार और फजल अत्राचली ने चार-चार प्वाइंट जुटाए। यूपी योद्धाज के लिए सिर्फ गगन गौड़ा चले, जिन्होंने 12 प्वाइंट हासिल किए। यूपी योद्धाज ने शुरुआती कुछ मिनटों में दबंग दिल्ली को कड़ी टक्कर दी और उसे 5-5 की बराबरी पर रोके रखा। गगन गौड़ा के चार प्वाइंट के दम पर योद्धाज ने

पहले दस मिनट के खेल में 8-6 की लीड बना ली। इसी बीच, मैच के 13वें मिनट में दिल्ली के कप्तान आशु मलिक ने सुपर रेड लगाकर तीन प्वाइंट हासिल कर लिए और अपनी टीम को 10-8 से आगे कर दिया।आशु ने फिर अगली ही रेड में यूपी योद्धाज को ऑलआउट कर दिया और दबंग दिल्ली 14-9 से लीड में आ गई। दिल्ली के लिए जहां आशु चल रहे थे तो वहीं यूपी के लिए गगन गौड़ा प्वाइंट ला रहे थे। लेकिन हाफ टाइम तक दबंग दिल्ली की टीम 17-13 की लीड बनाए हुई थी। दूसरा हाफ शुरू होते ही आशु मलिक ने इस सीजन का अपना आठवां सुपर-10 पूरा कर लिया। उधर यूपी के लिए गगन ने भी इस सीजन का अपना पांचवां सुपर-10 लगा दिया। 25वें मिनट तक यूपी फिर से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। अगले ही मिनट में दिल्ली ने यूपी को दूसरी बार ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 25-17 तक पहुंचा दिया। दबंग दिल्ली के पास 30वें मिनट तक नौ प्वाइंट की लीड हो चुकी थी और उसका स्कोर 29-20 का था। दिल्ली ने यहां से लगातार प्वाइंट लेते हुए 35वें मिनट तक स्कोर को 34-23 तक पहुंचा दिया। मैच के 38वें मिनट में दिल्ली ने तीसरी बार यूपी योद्धाज को ऑलआउट करके स्कोर को 39-24 से अपने पक्ष में रखा। यूपी योद्धाज अब मैच में बिल्कुल गंवी चुकी थी और दिल्ली ने अपनी विशाल लीड को कायम रखते हुए 43-26 से शानदार जीत दर्ज कर ली।

इरानी कप 2025: विदर्भ ने रेस्ट ऑफ इंडिया पर 224 रन की बनाई बढ़त

एजेंसी

नागपुर। विदर्भ ने इरानी कप मुकाबले में तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए रेस्ट ऑफ इंडिया पर 224 रनों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। दिन की शुरुआत रेस्ट ऑफ इंडिया के स्कोर 142/5 से हुई। कप्तान रजत पाटीदार और मनव सुथार क्रीज पर थे, लेकिन पहले ही गेंद पर तेज़ गेंदबाज़ आदित्य ठाकरे ने सुथार को एलबीडब्ल्यू कर विदर्भ को सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने सरांश जैन को यॉर्कर पर बोल्ड किया और आकाशदीप को कवर पर कैच कराकर दो त्वरित झटके दिए। पाटीदार ने 42 रन पर अपनी पारी आगे बढ़ाई थी, लेकिन 66 रन बनाकर लंबे शॉट की कोशिश में आउट हो गए। अंत में ठाकुर ने आखिरी विकेट लेकर रेस्ट ऑफ इंडिया की पारी 214 पर समेट दी। ठाकुर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 66 रन देकर 4 विकेट झटके। इस तरह विदर्भ को पहली पारी में 128 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में विदर्भ के सलामी बल्लेबाज़ों ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। अथर्व तायडे (42 रन की साझेदारी के बाद) 20 रन बनाकर आउट हुए। अमन मोहकड़े ने 37 रन बनाए और गुनूर बरार की गेंद पर विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। स्टंप्स तक ध्रुव शॉरी और डैनिश मालेवार नाबाद रहे और विदर्भ का स्कोर 96/2 पहुंच गया। अब विदर्भ कुल 224 रनों की बढ़त के साथ मज़बूत स्थिति में है।

स्कोर कार्ड: विदर्भ - 342 और 96/2

रेस्ट ऑफ इंडिया - 214 (ईश्वरन 52, पाटीदार 66, ठाकुर 4/66)

निहाल सरीन पहुँचे 2700 रेटिंग क्लब में - भारत के दसवें शतरंज खिलाड़ी बने

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के रहने वाले भारत के 21 वर्षीय ग्रांड मास्टर निहाल सरीन नें अंततः अपने खेल जीवन का एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। अक्टूबर 2025 की प्रकाशित फीडे रेटिंग सूची में निहाल पहली बार 2700 रेटिंग पर पहुँच गए है और ऐसा करने वाले वे भारत के दसवें शतरंज खिलाड़ी बन गए। निहाल नें यह उपलब्धि फीडे ग्रांड स्विस 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.9 एलो अंक हासिल कर पाई। इससे पहले निहाल लाइव रेटिंग में 2700 के पार पहुंचे जरूर थे पर आधिकारिक रेटिंग आने तक वह उसे कायम नहीं रख पाये थे । निहाल से पहले विश्वनाथन आनंद , कृष्णन शशिकिरण , पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती , अधिबन भास्करन, डी गुकेश , अर्जुन एरीगैसी , आर

प्रज्ञानन्दा और अरविंद चितांबरम यह मुकाम हासिल कर चुके है , वर्तमान में भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसके सात खिलाड़ी 2700 रेटिंग के अधिक के है । भारत के शीर्ष खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। अर्जुन एरीगैसी 1.5 एलो अंक जोड़कर विश्व नंबर 4 पर लौट आए जबकि आर प्रज्ञानन्दा एक स्थान फिसलकर विश्व नंबर 5 पर आ गए। विश्व चैम्पियन डी गुकेश मई 2024 के बाद पहली बार विश्व टॉप 10 से बाहर हो गए। इसके बावजूद भारत के छह खिलाड़ी अब भी विश्व टॉप 30 में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ी लगातार चमक बिखेर रही हैं। फीडे महिला विश्व कप विजेता ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख फीडे ग्रांड स्विस ओपन में शानदार प्रदर्शन कर विश्व नंबर 11 पर लौट आईं। वहीं ग्रांड मास्टर आर वैशाली नें लगातार दूसरी बार फीडे ग्रांड स्विस महिला वर्ग का खिताब जीतकर 19.6 एलो अंक जोड़े और विश्व नंबर 15 पर पहुँच गई है । वर्तमान में महिला वर्ग की विश्व टॉप 20 में भारत की चार खिलाड़ी - कोनेरु हम्पी (6), दिव्या देशमुख (11), आर वैशाली (15) और हरिका द्रोणावल्ली (18) शामिल हैं। कुल मिलाकर भारत के 12 खिलाड़ी विश्व टॉप 100 और महिला वर्ग में 8 खिलाड़ी विश्व टॉप 100 में मौजूद हैं। संघ स्तर पर देखें तो भारत फिलहाल औसत एलो रेटिंग के आधार पर ओपन वर्ग में अमेरिका से 12 अंक पीछे रहते हुए दूसरे स्थान पर है। महिला और मिश्रित दोनों वर्गों में भारत दूसरे स्थान पर है, जहाँ महिला वर्ग में भारत चीन से 92 अंक और मिश्रित वर्ग में 21 अंक पीछे है।

रवींद्र जडेजा ने धोनी को पीछे छोड़ा, टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान एमएस धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज़्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के ताबड़तोड़ आक्रामक बल्लेबाजों की सूची में ऊंचा स्थान दिलाया।

जडेजा का रिकॉर्ड

36 वर्षीय जडेजा ने इस मैच में चार छक्के लगाए और अपने टेस्ट करियर में कुल 79 छक्कों तक पहुंच गए। यह संख्या एमएस धोनी के 78 छक्कों को पार कर गई। जडेजा ने अपनी आक्रामक पारी और निरंतर छक्कों की क्षमता से टीम के लिए दबाव बनाने का काम किया।

भारत में सबसे ज़्यादा छक्के

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में जडेजा से अधिक छक्के केवल तीन बल्लेबाजों ने लगाए हैं- वीरेंद्र सहवाग (91), ऋषभ पंत (90) और रोहित शर्मा (88)। जडेजा ने यह मुकाम अपने आक्रामक बल्लेबाज़ी अंदाज़ और बड़े शॉट खेलने की कुशल तकनीक से हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना

विश्व टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा छक्के इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के नाम हैं, जिन्होंने 179 पारियों में 136 छक्के जड़े। इसके बाद ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और एडम गिलक्रिस्ट (100 छक्के) का स्थान है। जडेजा का प्रदर्शन उन्हें विश्व स्तर पर भी उल्लेखनीय बनाता है।

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी

ऋषभ पंत - 90

वीरेंद्र सहवाग - 90

रोहित शर्मा - 88

रविंद्र जडेजा - 79

एमएस धोनी - 78

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास, कपिल देव और इमरान खान की बराबरी

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़कर एक नया इतिहास रच दिया। इस पारी के साथ जडेजा ने कपिल देव और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की उपलब्धि की बराबरी की। वह अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं। 36 वर्षीय जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय पारी के 126वें ओवर में जोमेल वारिकन की गेंद पर एक रन लेकर हासिल की। इस पारी ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में महान ऑलराउंडरों की उस खास सूची में पहुंचा दिया, जहां केवल गिने-चुने नाम मौजूद हैं। जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से खेल को नई ऊंचाई दी है। जडेजा का नाम इस सूची में भारतीय गौरव को और बढ़ाता है। इस शतक के बाद जडेजा अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं। इस क्लब में फिलहाल कपिल देव, इयान बॉथम और डेनियल विटोरी जैसे नाम शामिल हैं।

भारत के निषाद ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। निषाद कुमार और सिमरन ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियन ऑयल नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में क्रमशः पुरुषों की ऊंची कूद ञ47 और महिलाओं की 100 मीटर ञ12 में कुछ ही पलों के अंतराल में स्वर्ण पदक जीतकर दर्शकों का दिल जीत लिया। कुछ ही मिनटों के अंतराल में जीते गए दो स्वर्ण पदकों की बदौलत भारत पदक तालिका में 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गया। इससे पहले, प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर ञ36 फ़ाइनल में भारत के लिए कांस्य पदक जीता और प्रदीप कुमार ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो ञ46 फ़ाइनल में एक और कांस्य पदक जीता। भारत के अब तक 6 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य पदक हो चुके हैं। उसके खाते में कुल मिलाकर 15 पदक हैं। निषाद कुमार और सिमरन दोनों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू दर्शकों का दिल जीत लिया। निषाद कुमार ने धैर्य बनाए रखते हुए तुर्किये के अब्दुल्ला इल्गाज़ और तीन बार के गत विजेता रोडरिक टाउनसेंड (अमेरिका) को शानदार अंदाज़ में हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने तब तक हार नहीं मानी जब तक उन्होंने बार को 2.18 मीटर की विश्व रिकॉर्ड ऊँचाई पर नहीं रखवाया और अब्दुल्ला इल्गाज़ द्वारा 2.08 मीटर पर यूरोपीय रिकॉर्ड हासिल करने के बाद एशियाई रिकॉर्ड हासिल नहीं कर लिया। निषाद कुमार ने 2.12 मीटर की ऊँचाई पार करके अच्छा प्रदर्शन किया और तुर्किये के एथलीट पर दबाव बढ़ा दिया, जबकि विश्व रिकॉर्ड धारक टाउनसेंड सिर्फ़ 2.03 मीटर की दूरी तय करके बाहर हो गए। 25 वर्षीय धावक सिमरन ने भी अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने शुक्रवार सुबह सेमीफाइनल में 12.08 सेकंड का समय निकाला था। हालाँकि उन्होंने फाइनल के लिए घबराहट की बात स्वीकार की, लेकिन वह अपनी क्षमता पर पूरे विश्वास के साथ उतरीं। गाइड उमर सैफी के साथ मिलकर, उन्होंने पहली बार 12 सेकंड की बाधा को पार किया और फ़ाइनल में 11.95 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता। निषाद कुमार और सिमरन का ज़्यादातर ध्यान आकर्षित करना स्वाभाविक था, लेकिन वे भी मानते हैं कि इसे कैथरीन डेब्रनर (स्विट्ज़रलैंड) के साथ साझा करना उचित होगा, जिन्होंने महिलाओं की टी53 स्पर्धाओं में सभी पाँच स्वर्ण पदक जीते और थाईलैंड की पोंगसाकोर्न पायो, जिन्होंने पुरुषों की 800 मीटर टी53 स्पर्धा जीतकर नई दिल्ली 2025 का अपना तीसरा स्वर्ण पदक जीता। कैथरीन डेब्रनर ने अकेले ही स्विट्ज़रलैंड के छह में से पाँच स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने 50.58 सेकंड के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 400 मीटर टी53 फ़ाइनल भी जीता। उन्होंने महिलाओं की ञ53 (100 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर) और ञ54 (1500 मीटर और 5000 मीटर) स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करके नई दिल्ली 2025 को सबसे यादगार बना दिया।

पोंगसाकोर्न पैयो ने इस सप्ताह की शुरुआत में जीते गए 400 मीटर और 800 मीटर के स्वर्ण पदकों के साथ पुरुषों की 100 मीटर ञ53 स्पर्धा भी जीत ली। इसके साथ वह तीन स्वर्ण पदकों के साथ सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए। डेनियल एचिसन ने महिलाओं की 200 मीटर ञ35 स्पर्धा का फाइनल जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि एनी कैरी (अमेरिका) ने भी महिलाओं की लंबी कूद ञ44 में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 12 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य पदकों के साथ, ब्राज़ील 9 स्वर्ण, 16 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ चीन से आगे शीर्ष पर बना हुआ है। पोलैंड 8 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

क्या ज्यादा कमाई से बेहतर होता है क्रेडिट स्कोर? ये रही सच्चाई

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी इनकम और क्रेडिट स्कोर के बीच कोई कनेक्शन है? कॉमन बिलीफ के उलट, इन दोनों में कोई डायरेक्ट लिंक नहीं है. हां, हाई इनकम जरूर आपकी बिल्स और लोन ईएमआई को टाइम पर पे करने की अबिलिटी को बूस्ट करती है, जिससे आपके क्रेडिट स्कोर पर इनडायरेक्टली असर पड़ता है, लेकिन इसका स्कोर पर कोई डायरेक्ट इम्पैक्ट नहीं होता है.

एजेंसी

नई दिल्ली। ज्यादा कमाई होने के बावजूद, यदि कोई व्यक्ति समय पर ऋण चुकाने में असफल रहता है, क्रेडिट कार्ड की सीमा का अत्यधिक उपयोग करता है, या पुराने क्रेडिट खाते बंद कर देता है, तो उसका क्रेडिट

स्कोर कम हो सकता है.

कम आय वाला व्यक्ति यदि भुगतान में अनुशासित रहता है और क्रेडिट का सही मैनेजमेंट करता है, तो वह उच्च क्रेडिट स्कोर बनाए रख सकता है. व्यक्ति को अपनी आय के अनुपात में ही ऋण लेना चाहिए. उदाहरण के लिए, उच्च आय वाला व्यक्ति अधिक क्रेडिट सीमा ले सकता है, लेकिन उसे कुल सीमा के 30त्न से अधिक उपयोग नहीं करना चाहिए. कम क्रेडिट लेने से चुकाना आसान होता है.

कई क्रेडिट कार्ड यूजर्स भविष्य की अनुमानित आय के आधार पर नया ऋण ले लेते हैं, जो जोखिम भरा हो सकता है.

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए जरूरी सलाह, ऐसे चेक करें KYC स्टेटस

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो यह खबर आपके ही लिए है. आइए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप घर बैठे अपने निवेश की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं. केवाईसी का स्टेटस चेक कर सकते हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले अपनी केवाईसी (KYC) अपडेट रखना जरूरी है. केवाईसी अपडेट करने से पहले, उसकी स्थिति की जांच करना जरूरी है. आप किसी भी एएमसी या आरटीए की वेबसाइट पर अपना पैन नंबर डालकर इसकी जांच कर सकते हैं. आपकी केवाईसी स्थिति 'मान्य', 'पंजीकृत', 'होल्ड पर' या 'अस्वीकृत' के रूप में प्रदर्शित होगी.

इसके लिए सबसे पहले आपको किसी भी म्यूचुअल फंड या आरटीए की वेबसाइट पर जाना है जहां से आपने निवेश किया है. इससे बाद केवाईसी स्थिति लिंक की जांच करें और आप अपना 10 अंकों का पैन डालें. कैप्चा पर क्लिक करें. क्लिक के बाद केवाईसी का स्टेटस दिख जाएगा.

एक बार केवाईसी वेरीफाई हो जाने के बाद, आपको कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है. आप किसी भी म्यूचुअल फंड में कभी भी कोई भी लेनदेन कर सकते हैं.

आप बिना किसी परेशानी के अपने सभी मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेशों में लेनदेन जारी रख सकते हैं. लेकिन अगर आप किसी ऐसे म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं, जिसमें आपका पहले से कोई निवेश नहीं है, तो आपको दोबारा केवाईसी करानी होगी.

इसके अलावा अगर कभी केवाईसी स्टेटस होल्ड या रिजेक्टेड दिखे तो उसके लिए आपको बस म्यूचुअल फंड वेबसाइट पर जाकर ऊपर बताए तारीके को फॉलो करना है. जैसे ही स्टेटस 'वैलिडेट' हो जाएगा, आप लेनदेन शुरू करने के लिए तैयार हो जाएंगे.

पुराने बैंक खाते में फंस गया पैसा? ये रहा निकालने का आसान तरीका, एक-एक रुपया आएगा वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आपके पास किसी बैंक खाते में कुछ पैसा है, लेकिन आपने दो साल से उस खाते का इस्तेमाल नहीं किया है. ऐसे में उस खाते का क्या होगा? वह खाता निष्क्रिय हो जाएगा और उसमें जमा पैसे को वापस पाना एक मुश्किल काम लग सकता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि ऐसे पैसों को वापस पाने के सरल तरीके मौजूद हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) अब लोगों को उनके निष्क्रिय खातों से पैसा वापस दिलाने के लिए आउटरीच कार्यक्रम चला रहा है. RBI देश के हर जिले में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच अनक्लेम्ड एसेट्स पर विशेष शिविर आयोजित करेगा.

क्या होता है निष्क्रिय खाता?

अगर किसी बैंक खाते में दो साल से लेकर दस साल तक कोई लेन-देन नहीं हुआ, तो वह निष्क्रिय माना जाता है. ऐसे खातों में पड़ा पैसा

बैंक को RBI के DEA Fund में ट्रांसफर करना पड़ता है. लेकिन चिंता की बात नहीं है. खाता धारक या उनके कानूनी उत्तराधिकारी कभी भी इस पैसे का दावा कर सकते हैं, भले ही पैसा पहले ही DEA Fund में चला गया हो.

क्या है RBI का DEA Fund?

डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस (DEA)फंड की शुरुआत 24 मई 2014 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने की थी. इस फंड में वह रकम जमा की जाती है जो किसी बैंक खाते में 10 साल या उससे ज्यादा समय से पड़ी रहती है और जिसे खाता धारक ने 10 साल से इस्तेमाल नहीं किया या क्लेम नहीं किया होता है. बैंक को यह पूरा पैसा, जिसमें अब तक का ब्याज भी शामिल होता है, DEA Fund में ट्रांसफर करना जरूरी होता है.

पैसा वापस पाने के आसान कदम

किसी भी बैंक शाखा में जाएं, भले ही वह आपकी पुरानी शाखा न हो. एक फॉर्म भरें और अपने KYC दस्तावेज (आधार, पासपोर्ट, वोटर ID या ड्राइविंग लाइसेंस) जमा करें. बैंक आपकी जानकारी की जांच करेगा. जांच पूरी होने के बाद, आपको आपका पैसा ब्याज समेत वापस मिल जाएगा.

ई-कॉमर्स कंपनियों पर सरकार ने कसा शिकंजा, कैश ऑन डिलीवरी पर वसूला ज्यादा चार्ज, शोषण का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा कैश ऑन डिलीवरी (COD) ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क वसूलने की शिकायतों पर संज्ञान लिया है. विभाग ने इस प्रथा को डार्क पैटर्न करार देते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को गुमराह करने और उनका शोषण करने का प्रयास है. उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है.

मिली शिकायतों के अनुसार, कई उपभोक्ताओं ने यह आरोप लगाया है कि ऑनलाइन शॉपिंग करते समय यदि वे कैश-ऑन-डिलीवरी विकल्प चुनते हैं तो कंपनियां उनसे अलग से अतिरिक्त रकम वसूल रही हैं. विभाग ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए व्यापक जांच शुरू कर दी है. मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स को शिकायतें मिली हैं कि ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स कैश ऑन डिलीवरी पर ज्यादा चार्ज ले रहे हैं. यह उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाला डार्क पैटर्न है. विस्तृत जांच शुरू की गई है और नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी.

दोषी पाए जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक, संबंधित ई-कॉमर्स कंपनियों से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और अगर दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. विभाग का कहना है कि भारत के तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र में पारदर्शिता और निष्पक्ष व्यवहार बनाए रखना अनिवार्य है.

GST राहत से टूटा 10 सालों का रिकॉर्ड, नवरात्रि में लोगों ने की बंपर खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार की ओर जीएसटी स्लैब में बदलाव कर लोगों को टैक्स में राहत देने का असर नवरात्रि पर देखने को मिला. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत की कंज्यूमर इकोनॉमी ने पिछले 10 सालों में इस बार नवरात्रि में सबसे ज्यादा बिक्री देखी है. जीएसटी स्लैब को रेशनलाइज करने से जरूरी और लक्जरी सामानों पर टैक्स का बोझ कम हुआ, जिससे लोग कॉन्फिडेंस के साथ खरीदारी कर रहे हैं. लोगों ने होम अप्लायंसेज और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स अपग्रेड किए, जिससे डिमांड में जबरदस्त उछाल आया.

ऑटोमोबाइल कंपनियों को इस नवरात्रि में सबसे ज्यादा फायदा हुआ. जीएसटी में कटौती के बाद मारुति सुजुकी ने पिछले एक दशक में अपनी बेस्ट नवरात्रि सेल्स रिकॉर्ड की. उनकी बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई. कंपनी ने 1,50,000 बुकिंग्स हासिल कीं और उम्मीद है कि ये 2,00,000 तक पहुंच जाएंगी. पिछले साल नवरात्रि में 85,000 गाड़ियां बिकी थीं. इस बार

फेस्टिवल के पहले 8 दिनों में 1.65 लाख गाड़ियों की डिलीवरी हुई, जिसमें पहले दिन ही 30,000 कार्स बिकीं, जो 35 सालों में मारुति का बेस्ट सिंगल-डे परफॉर्मेंस है.

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 60त्न की रिटेल सेल्स ग्रोथ देखी. हुंडई में क्रेटा और वेन्यू की स्ट्रॉन्ग डिमांड की वजह से स्ट्रॉन्ग सेल्स उनकी टोटल सेल्स का 72त्न से ज्यादा थी.

हीरो मोटोकॉर्प के शोरूम में कस्टमर्स की संख्या दोगुनी हो गई, खासकर कम्यूटर टू-व्हीलर्स में अच्छी ग्रोथ देखी गई. टाटा मोटर्स ने 50,000 से ज्यादा गाड़ियां बेचीं, जिसमें अल्ट्रोज, पंच, नेक्सन और टियागो मॉडल्स टॉप पर रहे.

बजाज ऑटो ने भी फेस्टिव सीजन में अच्छी सेल्स रिकॉर्ड की.

Lenskart को सेबी से मिली मंजूरी, नवंबर में आएगा 8,000 करोड़ का IPO

एजेंसी

नई दिल्ली। चश्में की रिटेल कंपनी लेंसकार्ट को सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से अपने IPO को लाने को लेकर हरी झंडी मिल गई है. सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अगले कुछ हफ्तों में अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी और नवंबर के मध्य तक शेयर बाजार में लिस्ट होने की योजना है.

लेंसकार्ट ने जुलाई में सेबी के पास इश्यू के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था, जिसके जरिए वो 2,150 करोड़ रुपये की नई पूंजी जुटाना चाहती है. इसके अलावा, कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल, नेहा बंसल, सुमीत कपाही और अमित चौधरी, साथ ही सॉफ्टबैंक, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक, केदारा कैपिटल और अल्फा वेव ग्लोबल जैसे शेयरधारक, ऑफर-फॉर-सेल के जरिए 132.3 मिलियन शेयर बेचेंगे. कुल मिलाकर, इस आईपीओ का साइज 7,500-8,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है.

ये इस साल टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा. कोटक महिंद्रा, मॉर्गन स्टेनली, सिटी, एवेंडस कैपिटल और इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज इस आईपीओ के मर्चेंट बैंकर हैं .गुरुग्राम की इस कंपनी का आईपीओ इस साल के कई बड़े आईपीओ में

सबसे बड़ा होगा. स्टॉकब्रोकिंग फर्म ग्रो, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो, पेमेंट कंपनी फोनपे और एडटेक कंपनी फिजिक्सवाला भी लिस्टिंग की तैयारी में हैं, लेकिन उन्होंने सेबी की गोपनीय फाइलिंग प्रक्रिया चुनी है.

कंपनी की फाइनेंशियल स्थिति

लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में मुनाफा कमाया है, जिसमें 297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जबकि पिछले साल वित्त वर्ष 2024 में 10 करोड़ रुपये का घाटा था. कंपनी का रेवेन्यू भी 22% बढ़कर 5,428 करोड़ रुपये से 6,625 करोड़ रुपये हो गया. ईटी स्टार्टअप अवार्ड्स 2024 में स्टार्टअप ऑफ द ईयर जीतने वाली लेंसकार्ट इस आईपीओ से मिलने वाले 272 करोड़ रुपये से भारत में नए स्टोर खोलेगी.

साथ ही, 591 करोड़ रुपये अपने 2,700 से ज्यादा मौजूदा स्टोर्स के किराए, लीजिंग और अन्य खर्चों के लिए इस्तेमाल करेगी. कुछ राशि अधिग्रहण के लिए भी रखी गई है.

अडानी-अंबानी के पारिवारिक दफ्तर को देना होगा खर्च का ब्योरा? क्या है इस खबर की सच्चाई

सेबी ने फैमिली ऑफिसेज के रेगुलेशन को लेकर चल रही खबरों के बीच बयान जारी किया है. मार्केट रेगुलेटर ने कहा कि हम किसी ऐसे नियम पर विचार नहीं कर रहे हैं. सेबी ने इसके इर्द-गिर्द चली खबरों का खंडन किया है.

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने मीडिया में चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया है कि अंबानी-अडानी जैसे बड़ी बिजनेस फैमिलीज को अपने खर्च का ब्योरा देना होगा. लेकिन इस पर सेबी का बयान आया है. बयान में रेगुलेटरी बॉडी वह पारिवारिक कार्यालयों के लिए किसी नियामक ढांचे पर विचार नहीं कर रहा है. यह स्पष्टीकरण उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि बाजार नियामक पारिवारिक कार्यालयों को अपने दायरे में लाने की संभावना तलाश रहा है. हालांकि, सेबी ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है.

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मार्केट रेगुलेटर सेबी अब फैमिली ऑफिस को अपने रडार पर लाने की सोच रहा है, क्योंकि भारत के अरबपति स्टॉक एक्सचेंज में बड़ा रोल प्ले करने लगे हैं. कुछ लोगों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि सेबी इस बारे में बात कर रहा है कि फैमिली ऑफिस को अपनी संपत्ति, इनवेस्टमेंट और रिटर्न की जानकारी देनी होगी. साथ ही, उनके लिए एक अलग कैटेगरी बनाकर इनवेस्टमेंट को रेगुलेट करने की बात भी चल रही है.

रिपोर्ट में किया गया दावा

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि इस साल की शुरुआत में सेबी ने कुछ बड़े फैमिली ऑफिस के साथ मीटिंग की और दूसरों से लिखित में प्रपोजल मांगे, ताकि ये समझ सके कि ये बड़े परिवार पब्लिकली ट्रेडेड सिक्योरिटीज में कैसे इनवेस्ट करते हैं और इससे क्या रिस्क हो सकते हैं. सेबी ने एक

बयान में कहा कि हम अभी इस मामले में कोई जांच या कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. भारत में फैमिली ऑफिस के लिए अभी कोई खास नियम नहीं हैं, इसलिए सूत्रों ने बताया कि नए नियम कब और कैसे बनेंगे, ये अभी साफ नहीं है. सेबी का ये कदम दिखाता है कि भारत के सुपर-रिच परिवार अब इतने बड़े इनवेस्टर बन गए हैं कि उनके इनवेस्टमेंट मार्केट में हलचल मचा सकते हैं.

भारतीय इंडस्ट्री में कई फैमिली ऑफिस स्टार्टअप्स, प्राइवेट इक्विटी और आईपीओ में बड़े इनवेस्टर बनकर उभरे हैं. सूत्रों के मुताबिक, सेबी ने कुछ बड़े फैमिली ऑफिस के साथ बातचीत में ये भी पूछा कि क्या उन्हें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआइबी) की तरह हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए. इससे उन्हें आईपीओ में प्राथमिकता मिलेगी और वे म्यूचुअल फंड, इंश्योरेंस कंपनियों या विदेशी बड़े फंड्स की तरह मार्केट में बराबरी का मौका पा सकेंगे.

पहले सेबी ने अनरेगुलेटेड फैमिली इनवेस्टर को ऐसी सुविधा देने से मना किया था.

7th Pay Commission: केंद्र सरकार ने बदला नियम, कर्मचारियों के इस भत्ते पर होगा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के भत्तों पर असर डालने वाला एक बड़ा फैसला लिया गया है. सरकार ने ड्रेस भत्ता से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. नए निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई 2025 के बाद नौकरी जॉइन करने वाले नए कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा. डाक विभाग ने इस बारे में नया आदेश जारी किया है, जिसमें रिटायर्ड और नए भर्ती कर्मचारियों के लिए स्थिति स्पष्ट की गई है.

यह नया आदेश मध्य वर्ष में जॉइन या रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए राहत लेकर आया है. अब उन्हें यह चिंता नहीं रहेगी कि उनके ड्रेस भत्ते का भुगतान कब और कितना मिलेगा, क्योंकि नियम अब स्पष्ट हो चुके हैं.24 सितंबर 2025 को जारी आदेश में कहा गया है कि जो कर्मचारी साल के बीच में नौकरी जॉइन करते हैं या रिटायर होते हैं, उन्हें अब अनुपातिक आधार पर ड्रेस भत्ता दिया जाएगा. ड्रेस भत्ता वह राशि है जो सरकार उन कर्मचारियों को देती है जिन्हें ड्यूटी के दौरान यूनिफॉर्म पहननी होती है. वित्त मंत्रालय ने अगस्त 2017 में जारी एक सर्कुलर में बताया था कि ड्रेस भत्ता अब पुराने कई भत्तों को मिलाकर दिया जाता है. जैसे कपड़ा भत्ता, बेसिक इक्विपमेंट भत्ता, यूनिफॉर्म रखरखाव भत्ता, गाउन भत्ता और जूता भत्ता.

वित्त मंत्रालय से मंजूरी

जून 2025 में जारी एक पुराने आदेश में कहा गया था कि जुलाई 2025 के बाद रिटायर होने वाले कर्मचारियों के लिए वित्त मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगा गया है और तब तक 2020 के पुराने नियम ही लागू रहेंगे. अब वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जैसे नए भर्ती कर्मचारी साल के अनुसार ड्रेस भत्ता पाते हैं, वैसे ही साल के बीच में रिटायर होने वाले कर्मचारी भी अनुपातिक ड्रेस भत्ता पाएंगे.

जुलाई की सैलरी के साथ दिया जाता है भत्ता

डाक विभाग ने बताया कि ड्रेस भत्ता जुलाई की सैलरी के साथ दिया जाता है. इसलिए कई ऐसे कर्मचारी जो इस साल रिटायर हो रहे हैं, उन्हें पहले ही पूरा या आधा भत्ता मिल चुका है. नए नियमों के तहत अक्टूबर 2025 से रिटायर होने वाले कर्मचारियों से जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी, लेकिन 30 सितंबर 2025 से पहले रिटायर हुए कर्मचारियों से कोई रिकवरी नहीं होगी.

नए कर्मचारियों के लिए स्पष्टीकरण

विभाग ने यह भी साफ किया है कि जो कर्मचारी जुलाई 2025 से पहले जॉइन करेंगे, उन्हें जून 2025 तक लागू नियमों के अनुसार ड्रेस भत्ता मिलेगा. कुछ जगह यह देखा गया था कि पिछले साल का ड्रेस भत्ता जुलाई 2025 की सैलरी में शामिल नहीं किया गया, इसलिए अब उसे सही करने के निर्देश दिए गए हैं.

बैंकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव, अब फटाफट हो जाएंगे चेक क्लीयर...घंटे भर में आएगा पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने चेक क्लियरेंस से जुड़े नियमों में बदलाव किया है. नया नियम यानी 4 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया है. नए नियम के तहत अब कस्टमर्स का चेक कुछ ही घंटों में क्लीयर हो जाएगा. पहले इसमें 2 दिन तक का समय लगता था. आरबीआई ने बताया कि एक सिंगल प्रेजेंटेशन सेशन होगा, जिसमें चेक को सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक पेश करना होगा. इसके तहत चेक प्राप्त करने वाली बैंक को चेक को स्कैन करके क्लियरिंग हाउस को भेजना होगा.

क्लियरिंग हाउस, चेक की तस्वीरें उन बैंकों को निरंतर आधार पर जारी करेगा, जहां का चेक होगा, जिससे प्रत्येक चेक का निपटान वर्तमान टी+1-दिवसीय क्लियरिंग चक्र के बजाय, लगभग वास्तविक समय के आधार पर किया जा सकेगा. ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और वित्तीय सेवा जोखिम प्रमुख विवेक अय्यर ने कहा कि इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि धनराशि कुछ ही घंटों में जमा हो जाए, जिससे ग्राहकों को धनराशि तक त्वरित पहुंच प्राप्त होगी.

पहला फेज

इससे उन इलाकों को खास फायदा होगा जहां डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर अभी पूरी तरह तैयार नहीं है.

बैंकों की बैक-एंड टेक्नोलॉजी को भी अपग्रेड किया गया है ताकि नई सिस्टम में आसानी से ट्रांजिशन हो सके. इसको दो फेज में शुरू किया गया है. पहला फेज 4 अक्टूबर, 2025 से 2 जनवरी, 2026 तक होगा. इस दौरान, जिन बैंकों को चेक मिलेंगे, उन्हें पुष्टिकरण सत्र खत्म होने तक चेक की कन्फर्मेशन करनी होगी. अगर इस समय में चेक कन्फर्म नहीं होता, तो उसे स्वीकार मान लिया जाएगा और सेटलमेंट के लिए शामिल किया जाएगा. इस फेज में सभी चेकों का आइटम एक्सपायरी टाइम शाम 7 बजे होगा.

दूसरा फेज 3 जनवरी, 2026 से शुरू होगा इसमें चेकों का आइटम एक्सपायरी टाइम बदलकर ञ+3 घंटे कर दिया जाएगा. अगर कोई चेक तीन घंटे में कन्फर्म नहीं होता, तो उसे स्वीकार मान लिया जाएगा और दोपहर 2 बजे सेटलमेंट के लिए शामिल किया जाएगा. बैंकों की पॉजिटिव कन्फर्मेशन और स्वीकार किए गए चेकों के आधार पर, सुबह 11 बजे से पुष्टिकरण सत्र खत्म होने तक हर घंटे सेटलमेंट जारी होंगे. प्रस्तुतकर्ता बैंक इन सेटलमेंट्स को प्रोसेस करेंगे और सामान्य सिक्योरिटी चेक के बाद, सक्सेसफुल सेटलमेंट के एक घंटे के अंदर कस्टमर्स को पेमेंट कर देंगे. चेक ट्रंकेशन सिस्टम (ष्टञ्जस्) के तहत वित्त वर्ष 25 में 609.54 मिलियन ट्रांजैक्शन्स हुए, जिनका कुल मूल्य 71.13 ट्रिलियन रुपये था. वहीं, वित्त वर्ष 26 में अब तक ट्रांजैक्शन्स का मूल्य ?29.39 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है.

क्या होता है COD चार्ज? जिससे ई-कॉमर्स कंपनियां कर रही हैं कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स द्वारा कैश-ऑन-डिलीवरी (COD) ऑर्डर पर एक्स्ट्रा चार्ज लगाने की जांच शुरू की है. इसे "डार्क पैटर्न" कहा गया है, जो कस्टमर्स को गुमराह करता है और उनका फायदा उठाता है. आइए आपको डिटेल में बताते हैं कि ये सीओडी चार्ज और डार्क पैटर्न क्या होता है और इसके जरिए ई-कॉमर्स कंपनियां कमाई कैसे करती हैं. इस साल की शुरुआत में कस्टमर्स ने शिकायत की थी कि कुछ प्लेटफॉर्म्स COD ऑर्डर पर 'कैश हैंडलिंग चार्ज' लगा रहे हैं. जुलाई में Zepto के यूजर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत की थी कि चेकआउट के वक्त छिपे हुए चार्जेज लगाए जा रहे हैं. ये चार्जेज "ड्रिप प्राइसिंग" का हिस्सा हो सकते हैं, जो भारत में 13 डार्क पैटर्न्स में से एक है और गैरकानूनी माना जाता है.

क्या होता है COD चार्ज?

कैश-ऑन-डिलीवरी (COD) एक भुगतान विधि है जिसमें ग्राहक ऑर्डर डिलीवरी के समय नकद या डिजिटल पेमेंट करता है. ई-कॉमर्स कंपनियां इसे ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी में भरोसा बढ़ाने और सुविधा प्रदान करने के लिए ऑफर करती हैं. वे डिलीवरी पार्टनर के साथ मिलकर COD लागू करती हैं, जहां कूरियर भुगतान एकत्र करता है. उदाहरण के तौर पर अगर आप किसी ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी से कुछ सामान ऑर्डर करते हैं तो वहां पर पैसा देने के दो-तीन ऑप्शन होते हैं एक तो क्रेडिट कार्ड से पेमेंट का होता एक यूपीआई से पेमेंट करने का विकल्प होता और एक कैश-ऑन-डिलीवरी का होता है. अगर आप सीओडी चुनते हैं और मान लीजिए 1500 रुपये का मोबाइल कवर ऑर्डर करते हैं तो डिलीवरी के समय आपको डिलीवरी पार्टनर को 1500 रुपये कैश में या नकद देने होंगे.

डार्क पैटर्न क्या हैं?

डार्क पैटर्न वो ट्रिक्स हैं, जो वेबसाइट्स या ऐप्स में यूज किए जाते हैं ताकि कस्टमर्स को बेवकूफ बनाया जाए. ये छिपे हुए डिजाइन या भ्रामक भाषा हो सकती है, जो यूजर्स को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर करती है, जो वो नहीं चाहते हैं.

डिलीवरी चार्ज को आखिरी स्टेप तक छिपाना.

सहमति बॉक्स पहले से चेक करना.

सिर्फ 1 प्रोडक्ट बचा है जैसे झूठे मैसेज दिखाना.

नवंबर 2023 में सरकार ने 13 ऐसे डार्क पैटर्न्स को 'अनुचित व्यापार प्रथाओं' के तहत बैन किया, जिसमें ड्रिप प्राइसिंग, झूठी जल्दबाजी, सब्सक्रिप्शन ट्रैप और छिपे हुए विज्ञापन शामिल हैं.

भारत में ये समस्या कितनी बड़ी है?

2024 की ASCI रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के टॉप 53 ऐप्स में से 52 में कम से कम एक डार्क पैटर्न पाया गया. ये छिपे हुए चार्जेज, बार-बार पॉप-अप, या भ्रामक डिजाइन हो सकते हैं. खासकर ई-कॉमर्स, फिनटेक और गेमिंग ऐप्स में ये आम है. कस्टमर्स को अक्सर बाद में पता चलता है कि उन्हें ठगा गया.

सरकार क्या कर रही है?

COD चार्जेज की जांच के साथ-साथ सरकार डिजिटल फ्रॉड पर नकेल कस रही है. 28 मई को मंत्रालय ने ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ मीटिंग की और उन्हें अपने ऐप्स का ऑडिट करने को कहा. साथ ही, एक जॉइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का प्लान है, जो इन समस्याओं पर नजर रखेगा. जांच में ये देखा जाएगा कि चार्जेज के बारे में कस्टमर्स को साफ-साफ बताया गया या नहीं.

आगे क्या होगा?

अगर कोई प्लेटफॉर्म डार्क पैटर्न इस्तेमाल करता पाया गया, तो उस पर जुर्माना, डिजाइन में बदलाव या सख्त नियम लागू हो सकते हैं. COD भारत में बहुत पॉपुलर पेमेंट तरीका है, खासकर छोटे शहरों में. इसलिए ये जांच बहुत अहम है. सरकार का ये कदम दिखाता है कि अब शुल्क और डिजाइन भी उतने ही सख्ती से चेक किए जाएंगे, जितना प्राइसिंग और विज्ञापन किए जाते हैं.

PoK में प्रदर्शनकारियों के सामने झुकी सरकार, आंदोलन खत्म करने का ऐलान

एजेंसी

पाकिस्तान। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (**PoK**) में कई दिनों से जारी जन आंदोलन थम गया है. पीओके सरकार और अवामी एक्शन कमेटी (AAC) के बीच हुए समझौते में सरकार ने 38 में से 21 मांगें मान ली हैं. इसके बाद अवामी एक्शन कमेटी ने सभी विरोध-प्रदर्शन समाप्त करने का ऐलान किया है. हालांकि, आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों की याद में अगले तीन दिनों तक शोक जुलूस निकाले जाएंगे.

समझौते के तहत विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों को सरकारी कर्मचारियों के बराबर मुआवजा मिलेगा और उनके एक सदस्य को 20 दिनों के भीतर नौकरी दी जाएगी. घायलों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. हिंसा और मौत के लिए जिम्मेदार लोगों पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी और इसकी न्यायिक जांच भी कराई जाएगी.

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार

सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़े फैसले लिए हैं. पीओके में दो नए बोर्ड, इंटरमीडिएट बोर्ड और हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड, बनाए जाएंगे और सभी मौजूदा बोर्डों को 30 दिनों में पाकिस्तान के केंद्रीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ा जाएगा. स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रत्येक जिले में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन लगाई जाएगी. इसके अलावा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लिए 15 दिनों में फंड जारी किए जाएंगे.

बिजली और विकास योजनाएं

पीओके की बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए पाकिस्तान सरकार 10 करोड़ रुपये जारी करेगी. मीरपुर जिले में विस्थापित परिवारों को 30 दिनों में जमीन दी जाएगी. गुलपुर और रहमान (कोटली) में पुल बनाए जाएंगे और डाडियाल क्षेत्र में जलापूर्ति व ट्रांसमिशन लाइन बिछाई जाएगी.

अन्य फैसले

सरकार ने मंत्रियों और सलाहकारों की संख्या घटाकर अधिकतम 20 करने का फैसला लिया है. मीरपुर में एयरपोर्ट बनाने की योजना पर जल्द घोषणा होगी. संपत्ति हस्तांतरण कर को पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की दरों के समान किया जाएगा. 2019 के हाई कोर्ट के जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े फैसले को लागू किया जाएगा. 2 और 3 अक्टूबर को रावलपिंडी और इस्लामाबाद में गिरफ्तार किए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा किया जाएगा. वहीं, 1300 सीसी वाहनों से जुड़ी परिवहन नीति की समीक्षा भी की जाएगी.

10 साल बाद जेल से बाहर आ रहा है गद्दाफी का बेटा, लीबिया में होगा बड़ा उलटफेर?

एजेंसी

लीबियाई· हैन्निबल गद्दाफी, पूर्व लीबियाई नेता मुअम्मर गद्दाफी का बेटा है. मुअम्मर गद्दाफी ने 27 साल की उम्र में लीबिया में तख्तापलट किया था. 42 सालों तक देश में राज किया. अब तानाशाह का बेटा जेल से बाहर आ सकता है. हैन्निबल गद्दाफी दिसंबर 2015 से लेबनान में हिरासत में है. उस पर 1978 में इमाम मूसा सद्र, शेख, हसन याकूब और पत्रकार अब्बास बद्रद्दीन के अपहरण और लापता होने में जानकारी छिपाने का आरोप है. हालांकि, हैन्निबल दावा करता रहा है कि उसे अपहरण के बारे में कोई जानकारी नहीं है.

हैन्निबल गद्दाफी के फ्रांसीसी वकील लौरेंट बायोन के अनुसार, पत्रकार अब्बास बद्रद्दीन के बेटे जहीर बद्रद्दीन के परिवार ने हैन्निबल की रिहाई का समर्थन किया है और 1 अक्टूबर को इस संबंध में नोटिस पर हस्ताक्षर किए. यह अनुरोध लेबनानी महाप्रॉक्यूटर जनरल को भेजा गया है, जिन्हें 24 घंटे के अंदर अपनी राय देनी होगी.

10 साल से जेल में बंद

हैन्निबल पिछले 10 साल से बेरूत में जेल में बंद है और अब तक उसे सिर्फ एक बार मिलने की अनुमति मिली है. उसके वकील ने हिरासत की अमानवीय स्थिति की आलोचना की है और बताया कि उन्हें सीरिया से अपहरण कर लेबनान लाया गया था.

हाल ही में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें गंभीर निमोनिया और लीवर में सूजन है. यह पहली बार है कि 10 साल में उन्होंने जेल से बाहर रात बिताई.

जून में भी किया था रिहाई का अनुरोध

इस साल जून में उनके वकील ने रिहाई के लिए नया अनुरोध दायर किया था. हालांकि, इमाम सद्र और शेख याकूब के परिवार ने उनकी रिहाई का विरोध किया, बद्रद्दीन परिवार का समर्थन इस लंबे समय से रुके मामले में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है. वकील बायोन के अनुसार, मामले में पर्याप्त सबूत नहीं हैं और 2017 के बाद से किसी भी जज ने हैन्निबल से मुलाकात नहीं की. फिलहाल, वो शारीरिक और मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन लेबनानी कोर्ट और नई सरकार से न्याय की उम्मीद बनाए हुए हैं.

कौन हैं हैन्निबल गद्दाफी?

मुअम्मर गद्दाफी के पांचवें और सबसे छोटे बेटे हैन्निबल गद्दाफी हैं. उनका जन्म 1975 में हुआ था.

CDC चीफ डॉक्टर खैली ने किया अबू धाबी में BAPS हिंदू मंदिर का दौरा, स्वामी दास ने राष्ट्रपति नाहयान का जताया आभार

स्वामी ब्रह्मविहारी दास ने इस प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और मंदिर का गहन भ्रमण कराते हुए प्रेम, शांति और सद्भाव की परियोजना के व्यापक दृष्टिकोण को भी साझा किया. यह दौरा UAE के लंबे समय से चले आ रहे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, अंतर धार्मिक संवाद और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के दीर्घकालिक मूल्यों पर चर्चा के लिए एक सशक्त मंच बना.

एजेंसी

सोची (रूस)। अंतर धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक समावेशिता के प्रति संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने वाले एक अहम कदम के रूप में सामुदायिक विकास विभाग (डीसीडी) के प्रमुख डॉक्टर मुगीर खामिस अल खैली ने 2 अक्टूबर (गुरुवार) को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अबू धाबी स्थित प्रतिष्ठित बीएपीएस हिंदू मंदिर का दौरा किया. स्वामी ब्रह्मविहारी दास ने इस दौरान राष्ट्रपति अल नाहयान का आभार भी जताया.

स्वामी ब्रह्मविहारी दास ने इस विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और मंदिर का गहन भ्रमण कराते हुए प्रेम, शांति और सद्भाव की परियोजना के व्यापक दृष्टिकोण को भी साझा किया. यह दौरा संयुक्त अरब अमीरात के लंबे समय से चले आ रहे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, अंतर धार्मिक संवाद और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के दीर्घकालिक मूल्यों पर चर्चा के लिए एक सशक्त मंच बना, जो देश की वैश्विक छवि को सहिष्णुता के प्रतीक के रूप में उभारता है.

स्वामी ने राष्ट्रपति अल नाहयान का जताया आभार

इस यात्रा के दौरान, स्वामी ब्रह्मविहारी दास ने संयुक्त अरब अमीरात के महामहिम राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के प्रति उनके अटूट समर्थन और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए गहरा आभार व्यक्त किया. साथ ही उन्होंने मंदिर के विकास के आगामी चरणों और अलग-अलग समुदायों के बीच आपसी सम्मान को बढ़ावा देने में इसकी बढ़ती भूमिका का भी जिक्र किया. डॉक्टर अल खैली और उनकी टीम ने मंदिर को एकता के प्रतीक के रूप में अभिनंदित किया और इसकी उन सराहनीय कोशिशों की खुलकर तारीफ की, जो अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों को साझा मानवीय मूल्यों का उत्सव मनाने हेतु एकत्र करते हैं.

सामुदायिक एकजुटता की भावना

सामुदायिक विकास विभाग (डीसीडी) प्रतिनिधिमंडल ने सामुदायिक एकजुटता को प्रोत्साहित करने और संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता एवं समावेशिता के दृष्टिकोण को बढ़ाने में मंदिर के सकारात्मक योगदान को मान्यता भी दी. यूएई के इस प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा बहुसांस्कृतिक अमीरात की संरचना में सामंजस्य और एकता को प्रोत्साहित करने के लिए आस्था-आधारित संस्थाओं और शासकीय संस्थाओं के बीच सहयोगी कोशिशों को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध करता है.

इससे पहले भी डॉक्टर मुगीर खामिस अल खैली इस बीएपीएस हिंदू मंदिर का दौरा कर चुके हैं. नवंबर 2023 में डॉक्टर खैली ने मोहम्मद अल बलूशी और डीसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंदिर का दौरा किया था. मंदिर स्थल पर जाने से पहले, डॉक्टर खैली और स्वामी ब्रह्मविहारी दास ने एक साथ मिलकर दुनिया भर से आए लोगों द्वारा रखी गई ईंटों पर पुष्प वर्षा की, साथ ही शांति और सद्भाव के लिए उनकी प्रार्थनाओं का सम्मान किया.

सऊदी-कतर और ईरान शांत फिर मिस्र क्यों ले रहा इजराइल से पंगा?

एजेंसी

वाशिंगटन ।मिडिल ईस्ट में अब इजराइल का एक नए देश के साथ तनाव बढ़ रहा है. यह देश न तो कतर है और न ही ईरान, बल्कि इजिप्ट (मिस्त्र) है. दरअसल इजिप्ट ने सिनाई प्रायद्वीप पर सेना को बड़े पैमाने पर तैनात कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है.

खतरा इसिलए क्योंकि सिनाई प्रायद्वीप लंबे समय से इजिप्ट और इजराइल के बीच शांति बनाए रखने वाला माना जाता रहा है. इजराइल इसे कैंप डेविड समझौते का उल्लंघन मान रहा है क्योंकि सिनाई के जोन क्और ष्ट में सैन्य बढ़त पहले कभी इतनी भारी नहीं देखी गई. इजिप्ट के इस कदम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं खासकर तब जब सऊदी अरब, कतर और ईरान फिलहाल इजराइल से कोई सीधे युद्ध या टकराव नहीं चाहते. तो आखिर इजिप्ट क्यों भिड़ रहा है?

पहले समझिए कैंप डेविड समझौता क्या है?

कैम्प डेविड समझौते मिस्र और इजराइल के बीच शांति स्थापित करने वाला ऐतिहासिक समझौता था. तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी

कार्टर की मध्यस्थता में मिस्र के राष्ट्रपति अनवर साद और इजराइल के प्रधानमंत्री मेनाचेम बगिन ने इसे 1978 में कैम्प डेविड में हस्ताक्षरित किया. इस समझौते के तहत इजराइल ने सिनाई प्रायद्वीप मिस्र को लौटाया, जबकि मिस्र ने इजराइल को मान्यता दी. इसके साथ ही सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए सिनाई को असैन्य क्षेत्र घोषित किया गया. यह समझौता मध्य पूर्व में पहली बार अरबइजराइल युद्धों के बाद स्थायी शांति की नींव माना गया.

मिस्त्र की क्या दलील है?

पहला- मिस्र की तरफ से ये कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा नियंत्रण के लिए बताया गया है. सरकार का कहना है कि सैनिकों की तैनाती आतंकवाद, तस्करी और संभावित गाजा पलायन को रोकने के लिए जरूरी है. इजिप्ट का मानना है कि इजराइल गाजा को असुरक्षित बनाकर लाखों लोगों को सिनाई में धकेल सकता है. राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी ने इसे रेड लाइन कहा है, और स्पष्ट किया कि यह मिस्र कभी बर्दाश्त नहीं करेगा.

अफगान शरणार्थियों पर बेरहम हुआ पाकिस्तान, बंद किए कैंप और दी घर जलाने की धमकी

एजेंसी

पाकिस्तानी । पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के कई लंबे समय से चल रहे अफगान शरणार्थी कैंपों को बंद कर दिया है. इनमें लोअरलाई, गारदी जंगल, सारानन, झोब, कलाँ-ए-सैफुल्लाह, पिशीन और मुस्लिम बाग शामिल हैं.

इन कैंपों में रह रहे अफगान शरणार्थियों को उनके घरों और दुकानों से निकाला गया और उनकी संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया. लोगों को धमकी तक दी गई कि अगर घर नहीं छोड़ा तो सब कुछ जला देंगे.

जबरन निकाले जा रहे हैं अफगानी

चमन में अफगान शरणार्थियों की मदद करने वाले नागरिक संगठन के वली मोहम्मद ने कहा कि मैं पाकिस्तानी सरकार से अपील करता हूँ कि शरणार्थियों को जबरन बाहर निकालते समय मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए. दुनिया के दूसरे देश अफ़ग़ानियों को पांच साल में नागरिकता दस्तावेज़ दे देते हैं, लेकिन पाकिस्तान में यह दशकों बाद भी नहीं हुआ. बलूचिस्तान के इन कैंपों से निकाले गए शरणार्थियों का कहना है कि वे अफागानिस्तान लौटे तो उनके पास कुछ भी नहीं बचा. उन्हें तत्काल आश्रय और मानवतावादी मदद की आवश्यकता है.

5 दिन में 13 हजार अफगानियों को निकाला

Tolo News की एक खबर के मुताबिक अधिकारी कुछ सहायता प्रदान कर रहे हैं, लेकिन अफगान शरणार्थियों को जबरन पाकिस्तान से निकाले जाने की बढ़ती घटनाओं से चिंतित हैं. अधिकारियों के अनुसार, सिर्फ पिछले पांच दिनों में 13,504 शरणार्थी, जिनमें सैकड़ों पूर्व कैदी भी शामिल हैं. ये सभी सीमा के माध्यम से अफगानिस्तान लौटे हैं. शरणार्थियों की यह मुश्किलें और बढ़ती वापसी चिंता का विषय हैं और स्थानीय व अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तत्काल मदद की आवश्यकता है.

क्यों अफगानियों पर बेरहम हुआ पाकिस्तान

दरअसल 2023 में पाकिस्तान ने पिछले 40 सालों में अपने देश में घुसने वाले लगभग 40 लाख अफगानों को वापस भेजने के लिए एक बड़ी पहल शुरू की थी. दरअसल पिछले तीन सालों में पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान के संबंध बिगड़ गए हैं. इस्लामाबाद का कहना है कि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के हमलों को रोकने में नाकाम रही हैं.

जापान में पहली बार महिला PM बनेंगी, जानिए भारत, चीन और अमेरिका पर क्या है उनका स्टैंड

जापान को पहली महिला पीएम मिलने जा रही है. प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के 7 सितंबर को इस्तीफा देने के बाद लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) ने 4 अक्टूबर को अपने नए अध्यक्ष का चुनाव किया. इसी चुनाव में ताकाइची ने जीत हासिल की है.

एजेंसी

जापान । जापान के इतिहास में पहली बार कोई महिला प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने जा रही है. सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) ने पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री सना ए ताकाईची को अपनी नई अध्यक्ष चुना है. जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही प्रधानमंत्री बनता है, इसलिए लगभग तय है कि ताकाईची ही देश की अगली प्रधानमंत्री होंगी.

ताकाईची को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का करीबी माना जाता है, जो जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे. साने की पहचान एक कंजर्वेटिव नेता की रही है. उन्होंने 10 साल में जापान की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने की योजना पेश की है. आइए इसी बहाने जान लेते हैं उनकी विदेश नीति, खासकर भारत, चीन और अमेरिका के संदर्भ में. इन तीनों देशों को लेकर उनकी राय क्या है?

भारत को स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनर मानती हैं

भारत और जापान के बीच पहले से ही मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं, और ताकाईची इन संबंधों को और बढ़ाने की इच्छुक हैं. उनका मानना है कि दोनों देशों को मिलकर चीन की बढ़ती सैन्य ताकत का मुकाबला करना चाहिए. The Diplomat की एक खबर के मुताबिक उन्होंने ताइवान की यात्रा के दौरान भारत, ताइवान, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच एक ÷क्वासी-सुरक्षा गठबंधन÷ बनाने का प्रस्ताव दिया था, ताकि आपसी हितों की रक्षा की जा सके.

चीन की हैं कट्टर विरोधी

सना ए ताकाईची अपने चीन के खिलाफ कड़े रुख के लिए जानी जाती हैं. वे अक्सर टोक्यो के यासुकुनी श्राइन जाती हैं, जो जापान के युद्ध में मारे गए सैनिकों को सम्मानित करता है और अक्सर पड़ोसी देशों को नाराज़ कर देता है. जैसे पूर्व प्रधानमंत्री आबे ने जापान की सेना को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए थे, वैसे ही ताकाईची भी चीन के खिलाफ देश की सैनिक ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि वे चीन को अपना मुख्य प्रतिद्वंदी मानती हैं.

ट्रंप के साथ हुए ट्रेड डील से नाखुश

अमेरिका के साथ उनके रिश्ते भी मजबूत हैं, लेकिन वे कुछ व्यापारिक समझौतों पर पुनर्विचार की पक्षधर हैं. उनका मानना है कि जापान को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को समान साझेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि एकतरफा निर्भरता के रूप में. ताकाइची हाल ही में ट्रंप प्रशासन के साथ हुए ट्रेड डील के खिलाफ हैं. उन्होंने कहा कि इस पर फिर से बातचीत की जानी चाहिए. दरअसल जापान और अमेरिका के बीच अगस्त में डील हुई थी. इसमें जापान ने अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया था.

अमेरिका छोड़ने के लिए 2 लाख रुपये, किन लोगों को ये रकम दे रही ट्रंप सरकार?

अमेरिका की ट्रंप सरकार ने अब देश में मौजूद अकेले प्रवासी बच्चों (unaccompanied migrant children) को अपने देश लौटने के लिए 2 लाख से ज्यादा की रकम देने की पेशकश की है. हालांकि, मेक्सिको से आने वाले बच्चे इसके लिए पात्र नहीं होंगे. इमिग्रेशन एडवोकेट्स ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है.

एजेंसी

अमेरिका । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश की सत्ता संभालने के बाद से ही अवैध प्रवासियों को लेकर सख्त रुख अपना रहे हैं. साथ ही वो प्रवासियों को डिपोर्ट करने पर जोर दे रहे हैं. इस बीच रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन अमेरिका में मौजूद अकेले प्रवासी बच्चों (unaccompanied migrant children) को अपने देश लौटने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है.

अकेले प्रवासी बच्चों अपने देश लौटने के लिए अमेरिका प्रशासन प्रोत्साहित करने के लिए एकमुश्त 2,500 डॉलर (2 लाख 21 हजार 910 रुपये) की मदद देने की पेशकश कर रहा है.

किसे दी जाएगी रकम?

शुक्रवार को डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) के ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की ओर से प्रवासी शेल्टरों को भेजे गए पत्र में इस बात की जानकारी दी गई. पत्र में कहा गया कि 14 साल या उससे ऊपर के प्रवासी बच्चे अगर अपनी मर्जी से अमेरिका छोड़कर अपने देश लौटना चाहें तो उन्हें यह "रीसेटेलमेंट सपोर्ट स्टाइपेंड" दिया जाएगा.

अधिकारियों ने इस प्रस्ताव की पुष्टि की है, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक तौर पर सटीक रकम का खुलासा नहीं किया. यह कदम ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत स्वैच्छिक निर्वासन (voluntary deportation) को बढ़ावा दिया जा रहा है.

इस साल की शुरुआत में, अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (DHS) ने उन एडल्ट प्रवासियों (migrants) को 1,000 डॉलर का भत्ता (stipend) देने की पेशकश की थी, जो "स्वेच्छा से वापसी" (self-deportation) चुनते हैं. यह योजना अमेरिकी विदेश विभाग से मिले 250 मिलियन डॉलर के फंड ट्रांसफर के जरिए चलाई गई थी.

मेक्सिको के बच्चे नहीं होंगे पात्र

रॉयटर्स के अनुसार, एक ICE (U.S. Immigration and Customs Enforcement) अधिकारी ने बताया कि 2,500 डॉलर की पेशकश शुरुआत में 17 साल के बच्चों के लिए की जा रही है. मेक्सिको से आने वाले बच्चे इसके लिए पात्र नहीं होंगे, लेकिन जो बच्चे शुक्रवार तक अमेरिका छोड़ने के लिए पहले ही स्वेच्छा से तैयार हो गए थे, उन्हें भी यह योजना कवर करेगी.

पत्र में क्या-क्या कहा गया?

पत्र में कहा गया है कि भुगतान सिर्फ तभी किया जाएगा जब एक इमिग्रेशन जज उस अनुरोध को मंजूरी देंगे और बच्चा सुरक्षित रूप से अपने देश लौट जाएगा.

अमेरिकी संघीय कानून के तहत, जो प्रवासी बच्चे बिना माता-पिता या कानूनी अभिभावक के अमेरिका की सीमा पर आते हैं, उन्हें "अनअकंपनिड" (unaccompanied) माना जाता है और उन्हें सरकारी शेल्टर (shelters) में रखा जाता है, जब तक कि वे परिवार से न मिल जाएं या उन्हें फोस्टर केयर में न भेजा जाए. गुरुवार तक, 2,100 से ज्यादा अनअकंपनिड बच्चे अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (HHS) की हिरासत में थे.

जमकर हो रही आलोचना

इमिग्रेशन एडवोकेट्स ने इस कदम की कड़ी आलोचना की. "किड्स इन नीड ऑफ डिफेंस" की अध्यक्ष वेंडी यंग ने कहा कि यह स्टाइपेंड एक "क्रूर तरीका" है, जो कमजोर बच्चों को मिली कानूनी सुरक्षा को कमजोर करता है.

उन्होंने बयान में कहा, अमेरिका में सुरक्षा की तलाश में आए अनअकंपनिड बच्चों को हमारी सुरक्षा मिलनी चाहिए, न कि उन्हें मजबूर किया जाए कि वो उन्हीं हालात में वापस लौट जाएं जिनसे उनकी जान और सुरक्षा खतरे में पड़ी थी.

हालांकि, अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (HHS) ने इस प्रोग्राम का बचाव किया. HHS के कम्युनिकेशन डायरेक्टर एंड्रयू निक्सन ने कहा कि यह योजना बच्चों को अपने भविष्य के बारे में चुनाव करने और समझदारी से निर्णय लेने का विकल्प देती है.

चीनी सैनिकों के पास आया ऐसा मिसाइल डिफेंस सिस्टम, देखता रह गया अमेरिका

एजेंसी

अमेरिका । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम का ऐलान किया था. इस मिसाइल शील्ड को अब अमेरिका से पहले चीन ने तैयार कर लिया है. गोल्डन डोम का प्लान जहां अमेरिका ने पहले पेश किया. वहीं, इसको तैयार करने में चीन आगे निकल गया.

एक चीनी रिसर्च टीम का दावा है कि उसने एक वर्किंग डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम का प्रोटोटाइप विकसित किया है, जो देश को दुनिया में कहीं भी हवाई खतरों (airborne threats) का पता लगाने और प्रतिक्रिया देने में सक्षम बना सकता है. टीम का कहना है कि इसे पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (क्क) की ओर से पहले ही तैनात किया जा चुका है.

अमेरिका से आगे निकला चीन

हालांकि, यह अभी शुरुआती फेज में है, यह सिस्टम बड़ी डेटा तकनीकों (big data) में हुए इनोवेशन का इस्तेमाल करके की तरह के सेंसर की जानकारी को इकट्ठा करता है. अगर यह सफल होता है, तो यह पहला एयर डिफेंस सिस्टम बन जाएगा और यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा योजना के लागू होने से काफी पहले होगा.

डिफेंस सिस्टम कितना ताकतवर

गोल्डन डोम एक डिस्ट्रीब्यूटेड अर्ली वॉर्निंग सिस्टम है. इसे ग्लोबल रडार की तरह समझ जा सकता है, जो अंतरिक्ष, समुद्र, हवा और जमीन पर हजारों सेंसरों से डेटा इकट्ठा करता है. सैटेलाइट, रडार, विमान और जमीन पर लगे सेंसर एक साथ मिलकर एक बड़ा डेटा प्लेटफॉर्म बनाते हैं. यह सिस्टम इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह एक साथ दुनिया भर से 1000 मिसाइल लॉन्च को ट्रैक कर सकता है. अगर कोई मिसाइल चीन की ओर आती है, तो यह उसका तुरंत पता लगा लेता है.

ट्रंप ने किया था योजना का ऐलान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोल्डन डोम योजना को लेकर मई के महीने में ऐलान किया था. यह 175 बिलियन डॉलर का प्रोजेक्ट है. लेकिन, अभी तक इस सिस्टम का कोई आर्किटेक्चर (architecture) सामने नहीं आया है, कांग्रेसी बजट कार्यालय ने चेतावनी दी है कि इसकी असल में लागत लगभग तीन गुना ज्यादा हो सकती है.

चीन ने डिफेंस सिस्टम को लेकर दावा ऐसे समय में किया है जब वॉशिंगटन में अपने समान सैन्य प्रतिद्वंद्वियों, खासकर चीन की क्षमताओं को लेकर

चिंता बढ़ रही है. बीजिंग के पास दुनिया के सबसे बड़े मिसाइल बेड़े में से एक है और उसने हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक में अमेरिका से बढ़त बना ली है. एक वर्किंग चीनी वैश्विक डिफेंस सिस्टम अमेरिका को असंतुलन में डाल सकती है, खासकर जब एशिया-पैसिफिक में ताइवान जैसे विवादित क्षेत्रों पर तनाव बढ़ रहा है.

डिफेंस सिस्टम से चीन को मिलेगी ताकत

इस सिस्टम से चीन को काफी ताकत मिलेगी. इसे दुनिया में कहीं से भी लॉन्च की जाने वाली एक हजार तक मिसाइलों को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है. पारंपरिक सुरक्षा सिस्टम के उलट, जो अक्सर किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित रहती हैं, यह प्रोटोटाइप सचमुच वैश्विक पहुंच का दावा करता है और यह वैश्विक मिसाइल सुरक्षा की दिशा में एक साहसिक कदम माना जा रहा है.

यह प्लेटफॉर्म विभिन्न जगहों पर फैले हुए उपकरणों को जोड़कर काम करता है. यह सैटेलाइट, राडार, कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक जासूसी उपकरणों से डेटा इकट्ठा करता है, जो जमीन, समुद्र, हवा और अंतरिक्ष में हैं.

यह रियल टाइम में मिसाइल की स्पीड और मार्ग को मैप कर सकता है, यह निर्धारित कर सकता है कि टारगेट असली वारहेड है या बहकाने वाला डिकॉय, जानकारी इंटरसेप्शन यूनिट्स तक पहुंचा सकता है. भले ही नेटवर्क बाधित या भीड़-भाड़ वाला हो, सिस्टम Quick UDP Internet Connections (QUIC) जैसे प्रोटोकॉल का इस्तेमाल करके सूचना को तेजी और सुरक्षा के साथ दे सकता है.

अमेरिका ने इस डिफेंस सिस्टम की रूपरेखा तैयार की थी. लेकिन, चीन एक प्रोटोटाइप के साथ आगे निकल गया है. पिछले 10 साल में, बीजिंग ने हाइपरसोनिक हथियारों जैसे क्षेत्रों में वॉशिंगटन को पीछे छोड़ दिया है, जबकि कई अमेरिकी प्रोजेक्ट्स में देरी और लागत बढ़ने की समस्याएं रही हैं.

सेना ने टेस्ट किया शुरू

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी पहले से ही कई स्थानों पर इस अर्ली वार्निंग सिस्टम का टेस्ट कर रही है. रिसर्चर्स के अनुसार, इस सिस्टम की मदद से इकट्ठा किए गए डेटा से ढ्ढ को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे सिस्टम समय के साथ खतरों को पहचानने और इंटरसेप्शन गाइड करने में और बेहतर होगा.

हालांकि, प्रोटोटाइप की तैनाती का मतलब यह नहीं है कि चीन के पास पूरी तरह से वर्किंग वैश्विक मिसाइल शील्ड है. जहां चीन इस शील्ड को लेकर आगे बढ़ गया है. वहीं, अमेरिका की गोल्डन डोम योजना अभी कागज पर है, बीजिंग ने एक काम करने वाला मॉडल पेश कर दिया है.

चारे वाली जई फसल की उन्नत खेती

एन पी -1 , एन पी - 2, एन पी -1 हायब्रिड , एन पी -3 हायब्रिड , एन पी -2। हायब्रिड , बी एस -1 , बी -2 एस , अल्जीरियन , बिस्टान -2 बिस्टान -11 , ब्रेकल -11 , ब्रेकल -10 आदि पुरानी किस्मे है लेकन आज - कल कैंट , फ़ ओ एस -1 , यु पी ओ -13 , यु पी ओ -50 , यु पी ओ - 92 . यु पी ओ - 123 , यु पी ओ - 160 , ओ एस - 6 , 0 एस -8 , ओ - एस ।, ओ - एस 9, ओ - एल 88, ओ एल - 99, जे एच ओ - 81।, जे एच - ओ 8 के - 10 , चौड़ी पत्ती पालम पुर -1 , हरियाणा जई -114 आदि किस्मे लोकप्रिय है .

जई की फसल रवि की ऋतु में ली जाती है जहां गेहू सफलतापूर्वक पैदा किया जा सकता है, वंहा इस फसल की खेती भी अच्छी तरह ली जा सकती है, प्राय ; ठंडी एवं शुष्क जलवायु इसकी खेती के लिए उपयुक्त समझी जाती है दक्षिण - भारत में अधिक तापक्रम होने के कारण इसकी खेती नहीं की जा सकती इसलिए उत्तर भारत में कम तापक्रम के कारण इसकी खेती बड़े पैमाने पर की जाती है 70-100 से मी वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जाती है जाड़ों में शरदकालीन वर्षा की कारण कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ता है , लेकिन फसल के पकने के समय का होना हानीकारक होता है , क्योंकि फसल के गिरने से तथा बीमारियों व कीटो से हानी पहुचती है पौधें की बढ़वार के लिए 50 डिग्री फारन हाईट से 80 डिग्री फारन हाईट तापक्रम चाहिए .

जई की खेती हलकी दोमट से लेकर भरी मटियार - दोमट भूमियों में सफलतापूर्वक की जाती है मृदा का फसल पर सीधा प्रभाव पड़ता है इससे चारे की कटाइयों की संख्या प्रभावित होती है आमतौर पर हलकी भूमियों में 2 - कटाइयाँ और दोमट भूमियों में 3 - कटाइयाँ की जाती है भूमि में जल निकास का उचित प्रबंध हो और अधिक समय तक नमी एकत्र करने की क्षमता हो अम्लीय एवं क्षारीय मृदाए इसकी खेती के लिए हानिकारक नहीं होती है अत इन भूमियों में नमी की कमी की दशा में इसकी खेती संभव है .

जई की खेती हलकी दोमट से लेकर भरी मटियार - दोमट भूमियों में सफलतापूर्वक की जाती है मृदा का फसल पर सीधा प्रभाव पड़ता है इससे चारे की कटाइयों की संख्या प्रभावित होती है आमतौर पर हलकी भूमियों में 2 - कटाइयाँ और दोमट भूमियों में 3 - कटाइयाँ की जाती है भूमि में जल निकास का उचित प्रबंध हो और अधिक समय तक नमी एकत्र करने की क्षमता हो अम्लीय एवं क्षारीय मृदाए इसकी खेती के लिए हानिकारक नहीं होती है अत इन भूमियों में नमी की कमी की दशा में इसकी खेती संभव है .

चारे के लिए उन्नत किस्मो कि बिशेश्तायें

एच फ़ ओ - 114

इसे हरियाणा जई - 114 भी कहते है यह अधिक उपज 500 क्विंटल हरा चारा प्रति हेक्टेयर देने वाली क़िस्म है , जिसकी कटाई के बाद बहुत तेजी से Qद्धि होती है प्राय -2 -3 काटइयाँ ले ली जाती है .

यु पी ओ - 94 पन्त नगर ब.बी. ने विकसित किया है उपज में काफी अच्छी है इससे 500-550 चारा क्विंटल / हेक्टेयर हरा चारा प्राप्त हो जाता है यह किस्म गेरुई और झुलसा रोगो से प्रतिरोधी है

कैंट किस्म माध्यम समय में पकती है जो उत्तरी भारत के मैदानी पर्वतीय क्षेत्रो के लिए उपयोगी है यह गेरुई और झुलसा रोगों के लिए प्रति रोधी है उपज क्षमता 500 - 550 क्विंटल / हेक्टेयर हरा चारा कि है .

अल्जीरियन किस्म के पौधे अधिक समय तक हरे बने रहते है यह शीघ्र पकाने वाली 145-155 किस्म है एक हेक्टेयर से लगभग 400-500 क्विंटल हरा चारा मिल जाता है .

बीज दर बुवाई कि बिधि पर निर्भर करती इसके अलावा मृदा कि किस्म, मृदा कि उर्बरता एवं बुवाई का समय इससे सीधा सम्बन्ध रखते है आम तौर 80 से 100 किलो ग्राम बिज प्रति हेक्टेयर पक्तियों में डाला जाता है देसी हल द्वारा 20 पर से.मी. कि दुरी पर बुवाई कर देते है .

जई कि बुवाई अक्तूबर से ही प्रारंभ कर दी जाती है जो दिसंबर तक चलती है अक्तूबर कि बुवाई अच्छी रहती है क्योकि शीघ्र बुवाई में कटाइयों के संख्या में वृद्धि हो जाती है जब कि ठन्डे देशो अर्थात यूरोपीय देशो में जई कि बुवाई गर्मियों में कि जाती है अखिल भारतीय समन्वित चारा अनुसन्धान परियोजना झाँसी उ . प्र . के अंतर्गत हुए बुवाई के समय पर प्रयोगों से स्पष्ट है कि जई कि अधिकतम उपज के लिए 15 नवम्बर के लगभग बुवाई अच्छी रहती है जब कि देर से बुवाई करने में उपज में कमी आ जाती है .

भारी भूमियो में अधिक नमी कि अवस्था में छिटकावां बिधि अपनाई जाती है बीज को समान मात्रा में छिटक देते है और देशी हल से जुताई करके बिज को मिटटी में ढक देते है और अंत में पाटा लगाकर खेत को समतल कर देते है .

2 - पंक्तियों में बुवाई

देसी हल से 20-25 से.मी. के फासले पर बिज 8-10 कि से.मी. गहरी बुवाई कर देते है तथा पौधे से पौधे कि 10 दुरी से.मी. रखते है यह बिधि छिटकावां से अच्छी होती है . 2 - बैग माइक्रो सुपर पावर वजन 50 किलो ग्राम , 2 - बैग माइक्रो भू पवार वजन 10 किलोग्राम इन खादों को अच्छी तरह मिलाकर प्रति एकड़ मेंसामान मात्रा में बिखेर कर जुताई कर खेत तैयार कर बुवाई करे जब फसल 25-30 दिन कि हो जाय तो माइक्रो झाइम 500 एम.एल. और 2 - किलो ग्राम सुपर गोल्ड मैग्नीशियम 400 पानी में अच्छी तरह घोलकर पम्प द्वारा तर बतर कर 2 प्रति - एकड़ में छिड़काव करे दूसरा - तीसरा छिड़काव हर कटाई के लीटर बाद करते रहे .

सिंचाई कि आवश्यकता भूमि कि किस्म , जलवायु , बुवाई का समय , भूमि कि उर्बरता कटाइयों कि संख्या आदि पर निर्भर कराती है वैसे साधारण 3-4 15-20 दिन के अंतर से दिया जाना चाहिए सर्दियों में 30 दिन अंतर सिंचाइयों कि जरुरत पड़ती है जिन्हें का हो जाता है लेकिन मार्च - अप्रैल में घाट जाता है बिज के लिए छोड़ी गयी फसल में दाना बनते समय एक सिंचाई अवश्य कर देनी चाहिए भूमि में जल निकास कि उचित ब्यवस्था हो .

जई प्राय घनी बोई जाती है अत - खर पतवार फसल से दब जाते है यदि कुछ खर पतवार रह भी जाते है तो वह फसल के पहली कटाई के साथ कट जाते है जरुरत अनुसार एक - दो बार निराई - गुड़ाई अवश्यक है ऐसा करनेसे भूमि में भी नमी बनी रहती है और खर पतवार से भी छुटकारा मिलता है . जब 50 -55 दिन कि हो जाय अर्थात पौधों कि ऊँचा 60-65 से.मी. कि हो तब पहली कटाई कर देनी चाहिए ध्यान रहे कटाई भूमि के तल 8-10 से.मी. से फसल छोड़कर कि जानी चाहिए ताकि पौधों कि बढ़वार शीघ्र हो सके पहली कटाई में देरी होने से अन्य आगामी कटाइयों में बाधा पड़ती है जब कि दूसरी कटाई फसल पकने से पहले दानो कि मुलायम अवस्था में कि जानी चाहिए बिज उत्पादन के लिए कटाई का उचित समय वह समय होता है जब बालियाँ पकने पर सुखकर सफ़ेद रंग कि दिखाई देने लगे देर से कटाई करने पर बालियों से दाने झदने लगते है .

जई से चारे कि उपज इसकी प्रजातियाँ पर निर्भर करती है जो कि उचित - सामान्यत जो कि 450-550 क्विंटल चारा प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती

(Source: arganikbhagyo-day; Compiled by: CMSharma)

खेती हेतु बीज कैसे तैयार करें?

बीज उत्पादन की विधियां, जैसा कि हम सभी जानते हैं, कि किसान को खेती करने के लिए बहुत से सामग्री की आवश्यकता होती है। उन सामग्री में एक बहुत ही अहम सामग्री है, बीज क्योंकि जब हमारा बीज ठीक रहेगा तभी फसल उत्पादन दर अच्छी होगी ।

आमतौर पर यह देखा जा रहा है, कि किसान बन्धु अपने पहले वर्ष की फसल से ही कुछ बीज बचाकर अगले साल की बुवाई के लिए रख लेते हैं। जिसकी गुणवत्ता दर प्रति वर्ष कम होती जाती है, जिससे उनको फसल में उचित लाभ भी नहीं मिलता है। आमतौर पर यह देखा गया है, कि किसान के खेती में उपज दर और खेती शोध संस्थान की उपज दर में लगभग 5 प्रतिशत का अन्तर हो जाता है।

इस अन्तर को कम करने के लिए उन्नत गुणवत्ता के बीज की प्रमुख भूमिका है। अतः इसके लिए बहुत जरूरी है, कि किसान भाईयों और बहनों को वैज्ञानिक पद्धति से बीज उत्पादन की विधि की जानकारी हो। अच्छे बीज उत्पादन के लिए बीज स्रोत बुवाई का अनुकूल समय, बुवाई की निश्चित मात्रा, पृथक्करण दूरी इत्यादि प्रमुख बातों का ध्यान रखना अत्यन्त आवश्यक है।

खेती के लिए बीज उत्पादन के दौरान आनुवंशिक शुद्धता बनाये रखने के लिए यह आवश्यक है, कि मूल (बीज) किसी प्रमाणीकरण संस्था द्वारा मान्य स्रोत से लिया जाये, जिससे शुद्धता के साथ-साथ उसकी वंशावली एवं वर्ग भी ज्ञात रहे। आधार बीज उत्पादन के लिये प्रजनक बीज एवं प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए आधार बीज का प्रयोग करना चाहिए।

बीज उत्पादन फसल के लिये खेत का चुनाव करते समय यह ध्यान रखना चाहिए, कि पिछले वर्ष वह फसल न बोयी गयी हो, जो इस वर्तमान वर्ष में बोना चाहते हैं। खेत में स्वयं उगे अन्य पौधों और खरपतवारों से मुक्त होना चाहिए, साथ ही साथ पृथक्करण दूरी, मिट्टी की किस्म और उर्वरता आदि की भी जांच करा लें।

बीज फसल को पर परागण द्वारा होने वाले संदूषण कटाई एवं गहाई के समय अन्य बीजों के मिश्रण और रोगों के फैलाव की रोकथाम के लिए निश्चित दूरी पर रखना चाहिए, जो बीज फसल की परागण विधि एवं बीज वर्ग (आधार या प्रमाणित बीज) के आधार पर रखना चाहिए। यानि की पर स्वयं परागित फसलों में 3 मीटर तथा अर्ध पर-परागित फसलों में 30 मीटर और परपरागित फसलों में 200 मीटर रखा जाता है।

बीज उत्पादन हेतु खेत की तैयारी अच्छी होनी चाहिए, जिससे फसल के बीजों का अंकुरण अच्छा होता है। इसके लिए खेत की भली-भांति जुताई करनी और जल प्रबंधन सुचारू रूप से होना चाहिए।

बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई उपयुक्त समय पर उचित नमी अवस्था में की जानी चाहिए। बीज फसल में बीज दर (वाणिज्य फसल) की अपेक्षा कम रखी जाती है तथा पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी भी अधिक रखी जाती है। जिससे अवांछनीय पौधे के निकालने में सुविधा रहे। कभी-कभी बीजों की प्रसुप्ति समाप्त करने के लिए जीवाणु निवेशन एवं बीज जन्य कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम के लिए उपचारित करने की आवश्यकता होती है।

बीज उत्पादन हेतु मुख्य फसलों की बीज मात्रा प्रति हेक्टेयर इस प्रकार है, जैसे- गेहूं, मक्का, धान, काला चना, मूंग, अरहर, मसूर, सूरजमुखी - मूंगफली, सोयाबीन, टमाटर, गाजर में बीज की मात्र 100, 20, 16 से 20, 60, 15 से 20, 10 से 15, 25 से 30, 70 से 75, 75 किलोग्राम तथा 400 से 500 ग्राम केवल तथा 400 ग्राम केवल।

बीज उत्पादन फसल में पौधों एवं दानों के उचित विकास के लिए नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश जैसे प्रमुख पोषक तत्व यथा समय पर्याप्त मात्रा में देने की आवश्यकता होती है। जो जैविक खादों और उर्वरकों द्वारा पूरी की जा सकती है। कभी-कभी कुछ अन्य पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, मैग्निशियम, लोहा, तांबा, जस्ता, गंधक, बोरॉन, मैंगनीज तथा मोलिब्डनम की प्रति भी भूमि परीक्षण में इनकी कमी मिलने पर की जाती है।

लहसुन का बीज उत्पादन के लिए दोमट एवं बलुई दोमट भूमि, जिसमें जल निकास का उचित प्रबन्ध हो, उपयुक्त होती हैं। मिट्टी का पी एच मान 6 से । के बीच होना चाहिए।

लहसुन का बीज उत्पादन हेतु खेत की पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के उपरान्त आवश्यकतानुसार एक से दो जुताईयाँ देशी हल या हैरो से करके पाटा लगाकर ढेले तोड़ने के उपरान्त मिट्टी को भुरभुरा बना लें। तत्पश्चात् बुवाई हेतु भूमि को समतल कर लें।

जैविक खाद (गोबर की खाद, कम्पोस्ट आदि) बुवाई से एक माह पहले खेत में मिला देनी चाहिए। नत्रजन वाले उर्वरक 2 से 3 बार बुआई के समय 30 से 40 दिन बाद और पुष्पन से पूर्व देनी चाहिए, लेकिन फास्फोरस और पोटाश बुवाई से पूर्व या बुआई के समय दिये जाने चाहिए।

बीज फसल से अच्छी उपज होने के लिए कई सिंचाइयां करनी पड़ती हैं, जो फसल के अनुसार निर्धारित होती हैं। खेत में अनावश्यक पानी के निकास की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

बीज उत्पादन के लिए फसल को खरपतवारों, कीटों, बीमारियों से मुक्त रखने के लिए समय-समय पर निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए और आवश्यकतानुसार खरपतवारनाशकों, कीटनाशकों का भी छिड़काव करना चाहिए।

बीज फसल से समय-समय पर अन्य किस्मों के पौधों, खरपतवारों, रोगी पौधों को निकालते रहना चाहिए, जिससे परागण और रोगों के प्रसार (द्वितीयक संक्रमण) से बीज खराब न होने पायें। पौधों को पूरे जड़ सहित उखाड़कर थैली या लिफाफों में बंद करके खेत से बाहर लें जाकर गड्ढे में दबा देना चाहिए, जिससे रोग आदि न फैलावें। भिन्न-भिन्न पौधों की उंचाई तने, पत्ती के रंग, आकार और स्वरूप आदि के आधार पर पहचाना जा सकता है।

बीजें को पूर्णतः परिपक्व हो जाने पर उचित नमी अवस्था में कटाई करनी चाहिए। अधिक नमी अवस्था में कटाई करने पर गहाई और सफाई करने में बीज की क्षति होती है। कवकों तथा कीड़ों का आक्रमण शीघ्र होता है एवं अंकुरण क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। साथ ही कटाई में देरी से धूप वर्षा आदि से बीज गुणवत्ता में भी ह्रास होता है तथा कुछ फसलों में दाने खेत में बिखरने की समस्या होती है। कटाई-गहाई मौसम और फसल के अनुसार करनी चाहिए। बीजों की गहाई पक्के फर्श या तिरपाल पर करनी चाहिए।

आमतौर पर कटाई के समय बीज फसल में नमी की मात्रा अधिक होती है। इसलिए उसे सुरक्षित आर्द्रता मात्रा के स्तर तक लाने के लिए धूप या कृत्रिम सुखाई द्वारा सुखाया जाता है। विभिन्न फसलों में सुरक्षित आर्द्रता मात्रा भिन्न-भिन्न होती है। उदाहरण के लिए खाद्यान्न फसलों में सोयाबीन एवं कपास में 10 प्रतिशत दालों में 9 प्रतिशत तिलहनों में 8 प्रतिशत और सब्जियों में 7 से 8 प्रतिशत से अधिक आर्द्रता नहीं होनी चाहिए।

बीज को निम्न ताप और निम्न नमी की दशाओं में भण्डारित किया जाता है, जिससे भण्डारण के समय कीड़ों के फैलने का भय न रहे। इसके लिए बीज को बोरों या साइलोविन में रखा जाता है, बोरों को प्रयोग से पूर्व अच्छी तरह साफ एवं उपचारित कर लेना चाहिए, क्योंकि उनमें पहले से अन्य फसल के बीज या कीड़े आदि हो सकते हैं।

भण्डारण के तत्पश्चात बीज में आनुवंशिक एवं भौतिक शुद्धता, अंकुरण प्रतिशत और नमी प्रतिशत इत्यादि के लिए परीक्षण भी कर लेना चाहिए, ताकि बीज की सभी (आनुवंशिक भौतिक अंकुरण और नमी) अवस्थाओं का सही पता लग सके।

कृषक बन्धु लहसुन का बीज उत्पादन स्वय कर सकते है और उसको व्यवसाय का रूप भी दे सकते है। क्यों की लहसुन एक नकदी फसल है। सौभाग्यवश लहसुन की बीज फसल की खेती भी सामान्य फसल के समान ही हैं। इसलिए कृषकों के लिए बीज उत्पादन की तकनीकी की जानकारी काफी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। जिसे व्यवसायिक तौर पर अपनाकर वे अपनी आय का एक प्रमुख स्रोत बना सकते हैं। इस लेख में लहसुन का बीज उत्पादन कैसे करें, वैज्ञानिक तकनीक से की जानकारी का उल्लेख है।

लहसुन को ठंडी जलवायु कि आवश्यकता होती है, वैसे लहसुन के लिए गर्म तथा सर्दी दोनों ही कुछ कम रहें तो उत्तम रहता है। अधिक गर्म और लम्बे दिन इसके कंद निर्माण के लिए उत्तम नहीं रहते है छोटे दिन इसके कंद निर्माण के लिए अच्छे होते है अर्थात इसकी वानस्पतिक बढ़वार के लिए कम तापमान जबकि गाँठो के उचित विकास के लिए कम से कम 10 घन्टों की प्रतिदिन प्रकाश अवधि की आवश्यकता होती हैं।

लहसुन का बीज उत्पादन के लिए दोमट एवं बलुई दोमट भूमि, जिसमें जल निकास का उचित प्रबन्ध हो, उपयुक्त होती हैं। मिट्टी का पी एच मान 6 से । के बीच होना चाहिए।

लहसुन का बीज उत्पादन हेतु खेत की पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के उपरान्त आवश्यकतानुसार एक से दो जुताईयाँ देशी हल या हैरो से करके पाटा लगाकर ढेले तोड़ने के उपरान्त मिट्टी को भुरभुरा बना लें। तत्पश्चात् बुवाई हेतु भूमि को समतल कर लें।

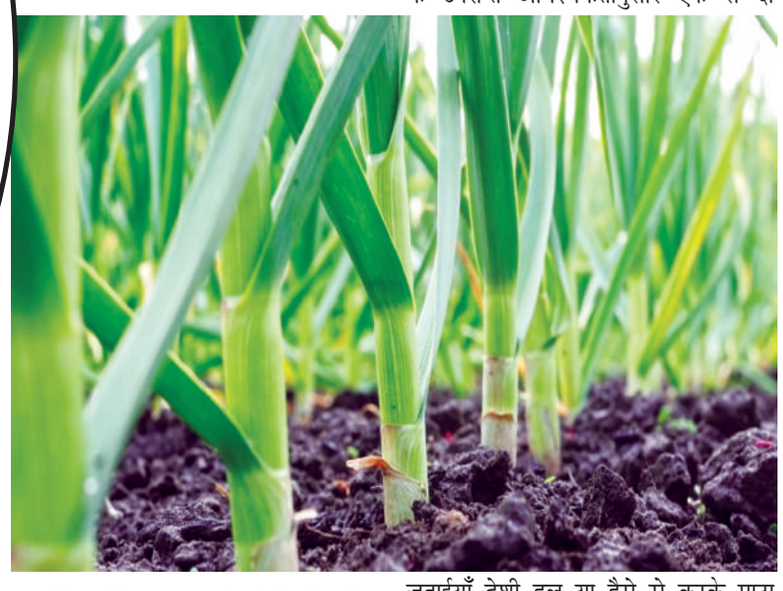

मटर का बीज उत्पादकों को अपने क्षेत्र की प्रचलित और अधिक उपज वाली उन्नत किस्म का चयन करना चाहिए। जहां तक संभव हो सके उन्नत प्रजाति के जनक या आधारीय बीज किसी भी मान्य संस्था या बीज प्रमाणीकरण एजेन्सी से ही प्राप्त करें।